Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 138 | गुरुवार, 28 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

केरलम में सीएम विजयन के घर ईडी की रेड के बाद भारी बवाल, अधिकारियों की कार पर हमला, शीशे तोड़े

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

केरलम। केरलम भर में बड़ी संख्या में सीपीआई (एम) कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन और उनकी बेटी से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के विरोध में सड़कों पर उतर आए, जो कथित रिश्वत मामले से संबंधित थी। इसी दौरान पार्टी कार्यकताओं के एक समूह ने तिरुवनंतपुरम में घंटों चले तलाशी अभियान के बाद निकलने की कोशिश कर रहे केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को ले जा रहे एक वाहन पर हमला कर दिया।

सीपीआई(एम) कार्यकताओं ने ईडी टीम के वाहन को रोककर उसकी विंडशील्ड तोड़ दी और केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ नारे लगाए। राजधानी में सुबह से ही घंटों तक विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई जारी रही। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए काफी मशक्कत की। वाहन में महिला अधिकारी भी सवार थीं और अशांति के दौरान उसे निशाना बनाया गया।

केरलम में 10 स्थानों पर ईडी की छापेमारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिनमें विजयन का तिरुवनंतपुरम स्थित वर्तमान आवास, कन्नूर में उनका पैतृक घर और उनके दामाद और पूर्व मंत्री मोहम्मद रियास का कोझिकोड स्थित आवास शामिल हैं। सुबह तड़के तलाशी शुरू होने के बाद विजयन और उनके परिवार के सदस्य आवास के अंदर ही रहे, जबकि सैकड़ों सीपीआई (एम) समर्थक बाहर जमा होकर केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे।

इस हंगामे के दौरान, कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर प्लास्टिक की बोतलें, हेलमेट और पत्थर फेंके। बाद में वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेताओं ने हस्तक्षेप किया, कार्यकताओं को शांत किया और उन्हें हिंसक प्रदर्शन से पीछे हटने के लिए राजी किया।

ईडी की यह कार्रवाई उन आरोपों से जुड़ी है कि कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने 2018 और 2019 के बीच विजयन की बेटी टी वीना के स्वामित्व वाली एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को बिना किसी सेवा के 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। ये तलाशी अभियान केरलम उच्च न्यायालय द्वारा सीएमआरएल की उस याचिका को खारिज करने के एक दिन बाद हुए, जिसमें ईडी की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी।

सीपीआई (एम) के महासचिव एमए बेबी ने आरोप लगाया कि विजयन और अन्य लोगों के आवासों पर ईडी की छापेमारी 'राजनीतिक रूप से प्रेरित' थी और इसे 'घिनौना हमला' बताया। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए बेबी ने कहा कि सीपीआई (एम) जनता के सामने यह साबित करेगी कि ये छापेमारी राजनीतिक मकसद से की गई थी।

सीएम विजय ने पीएम मोदी से की मुलाकात, तमिलनाडु के विकास एजेंडे पर चर्चा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले दिन में, विजय इस महीने की शुरूआत में पदभार संभालने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु के मंत्री आदव अर्जुन और कई वरिष्ठ मंत्री विजय के साथ दिल्ली यात्रा पर है। हालांकि यात्रा का विस्तृत आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, सूत्रों ने बताया कि विजय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सीतारमण के साथ अपनी मुलाकात में, विजय राज्य से संबंधित चल रही परियोजनाओं और प्रमुख अंतर-राज्यीय मुद्दों के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैं। बैठकों के दौरान, विजय राज्य की मांगों को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें कल्याण और अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धन आवंटन, विकास पहलों के लिए मंजूरी, मेकेदातु मुद्दा और पीएम श्री योजना का कार्यान्वयन शामिल है। तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस द्वारा किए गए चुनाव के बाद गठबंधन के बाद विजय के सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, विजय 28 मई को चेन्नई लौटेंगे। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु चुनावों में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के बाद 10 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

टीएमसी में 'अपमान' से टूटीं काकोली घोष? सांसद कल्याण बैनर्जी पर निशाना साधकर सभी पद छोड़े

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। तृणमूल कांग्रेस के बारासात जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद, ममता बनर्जी की करीबी सहयोगी और वरिष्ठ टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम बारासात लोकसभा क्षेत्र से चार बार सांसद रह चुकीं दस्तीदार द्वारा मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक में भाग लेने के कुछ घंटों बाद हुआ। घोष दस्तीदार ने अपने त्यागपत्र में लिखा लेकिन अत्यंत दुख और चिंता के साथ, मैं अखिल भारतीय तृणमूल महिला कांग्रेस के अध्यक्ष पद के साथ-साथ पार्टी के अन्य संगठनात्मक पदों, समितियों और जिम्मेदारियों से इस्तीफा देने का अनुरोध करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे पद पर बने रहने का कोई अर्थ नहीं है जहां किसी अन्य अशिक्षित, असभ्य पार्टी सांसद द्वारा एक महिला सांसद के प्रति किए गए अभद्र व्यवहार को रोका न जा सके, या वरिष्ठ नेतृत्व का सहयोग और सहानुभूति प्राप्त न की जा सके। उन्होंने सेरामपुर लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल सांसद और वकील-राजनेता कल्याण बनर्जी पर स्पष्ट कटाक्ष किया, जिन्हें टीएमसी की चुनावी हार के बाद घोष दस्तीदार की जगह लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के रूप में बहाल किया गया था। संसद में फेरबदल की खबर फैलते ही दस्तीदार ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय पोस्ट के साथ प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं ममता बनर्जी को 1976 से जानती हूं और 1984 से उनके साथ काम कर रही हूं। आज मुझे अपनी चार दशक लंबी वफादारी का पुरस्कार मिला है। चुनाव में मिली करारी हार के बीच तृणमूल कांग्रेस को इस इस्तीफे से बड़ा झटका लगा है, क्योंकि दस्तीदार को लंबे समय से पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी का प्रमुख सहयोगी माना जाता था और उत्तर 24 परगना में पार्टी संगठन पर उनकी अच्छी पकड़ थी, जिसे कभी पार्टी का एक मजबूत शहरी गढ़ माना जाता था।

गुजरात में ड्रग्स के खिलाफ बड़ा एक्शन, जहाज के साथ 1150 करोड़ की कोकीन जब्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुजरात। इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) और गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड ने मुंद्रा तट के पास एक संयुक्त अभियान में कंटेनर जहाज से 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत लगभग 1,150 करोड़ रुपये है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह अभियान 25 और 26 मई की दरमियानी रात को चलाया गया था। यह कार्रवाई समुद्री रास्ते से नशीले पदार्थों की तस्करी के बारे में गुजरात एटीएस द्वारा साझा की गई विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी।

लंगर डाले खड़ा था जहाज

आईसीजी की इंटरसेप्टर बोट्स ने मुंद्रा एंकरेज इलाके में एक बड़े तलाशी अभियान की शुरूआत की। इसी बोट पर एटीएस के अधिकारी भी सवार थे। इलाके में मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले खड़े एक कंटेनर जहाज पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गई थीं। इस जहाज की पहचान 'MV Europe' के रूप में हुई है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि संयुक्त टीम ने अंधेरे के समय जहाज से कुछ बैग समुद्र में फेंके जाते हुए देखा, जिसके बाद आईसीजी और एटीएस के जवान तेजी से उस जगह पर पहुंचे और कम विजिबिलिटी के बावजूद समुद्र से पांच बैग बरामद कर लिए।

कोकीन का 115 किलो वजन और 1150 करोड़ रुपये कीमत

जांच करने पर बैगों में एक सफेद पाउडर जैसे पदार्थ के 115 पैकेट मिले, जिनमें से हर एक का वजन लगभग एक किलोग्राम था। अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती जांच में इस पदार्थ के कोकीन होने की पुष्टि हुई है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि जब्त की गई कुल प्रतिबंधित सामग्री का वजन लगभग 115 किलोग्राम था और खुले स्रोतों से किए गए आकलन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका अनुमानित मूल्य लगभग 1,150 करोड़ रुपये है।

जहाज को भी बंदरगाह पर लगाया गया

अधिकारियों ने बताया कि जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है और आईसीजी, एटीएस गुजरात तथा अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त जांच जारी है।

उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में आईसीजी और एटीएस गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाया गया यह 15वां सफल अभियान था।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जरूरी, सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई के एसआईआर को सही बताया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की संवैधानिक अनिवार्यता को आगे बढ़ाता है। न्यायालय ने कहा कि एसआईआर का संचालन निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने व्यवस्था दी कि यह नहीं कहा जा सकता कि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर का प्रयोग करके अपने वैधानिक अधिकारों की सीमा से बाहर जाकर काम किया है। पीठ ने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते कि विवादित प्रक्रिया केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए अपनाई गई थी। इसके विपरीत, हम मानते हैं कि चुनावी एसआईआर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता को बल देता है। एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं में दावा किया गया था कि संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उससे संबंधित नियमों के तहत निर्वाचन आयोग को इतने व्यापक स्तर पर एसआईआर कराने का अधिकार नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने 29 जनवरी को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की याचिका भी शामिल थी।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया कल दे सकते हैं इस्तीफा, राज्यपाल से मांगा समय

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कर्नाटक। कर्नाटक में अगले दो दिनों में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलों के बीच, बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से 28 मई को मिलने का समय मांगा है।

इस घटनाक्रम ने इस अटकल को और बल दिया है कि सिद्धारमैया गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे उनके उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।

मुख्यमंत्री के करीबी एक उच्च पदस्थ सूत्र ने कहा कि जी हां, उन्होंने कल राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया बैठक के दौरान राज्यपाल गहलोत को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे समेत कांग्रेस नेतृत्व ने सिद्धारमैया और शिवकुमार से संयुक्त और अलग-अलग कई घंटों तक चर्चा की और उम्मीद है कि अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनावों के बाद नेतृत्व परिवर्तन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार खेमा सिद्धारमैया पर शीर्ष पद से हटने का दबाव बना रहा है और उन्हें केंद्रीय भूमिका देने का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया को राज्यसभा सीट का भी प्रस्ताव दिया गया है।

नेतृत्व विवाद के केंद्र में शिवकुमार की मुख्यमंत्री पद पर पदोन्नति की मांग है, जो 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान दिए गए कथित आश्वासन पर आधारित है कि सिद्धारमैया पहले ढाई साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, और उसके बाद शेष कार्यकाल के लिए शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

इस बीच, सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस हाई कमांड के साथ चर्चा कल की जाएगी। उन्होंने बेंगलुरु के विधान सौधा में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद ये बातें कहीं। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस देश की आजादी के बाद वे पहले प्रधानमंत्री थे।

17 वर्षों तक वे इस देश के प्रधानमंत्री रहे और देश की जनता की सेवा की। वे समाजवादी और पूंजीवादी दोनों थे। जब उनसे पार्टी के उच्च कमान के साथ हुई बातचीत के बारे में विशेष रूप से पूछा गया, तो सिद्धारमैया ने कहा कि हम इस बारे में कल बात करेंगे।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास, सीएम हिमंत सरमा ने कही यह बड़ी बात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

असम। असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सोमवार को यह विधेयक सदन में पेश किया था। इसके साथ ही असम पूर्वोत्तर का पहला और उत्तराखंड एवं गुजरात के बाद भाजपा शासित तीसरा राज्य बन गया है जिसने इस विधेयक को पारित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। विधेयक विपक्ष के हंगामे के बीच पारित हुआ, जिसने इसे चयन समिति को भेजने की मांग की है यूसीसी 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था, और राज्य मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरूआत में अपनी पहली बैठक में इसके मसौदे को मंजूरी दी थी। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य के सभी निवासियों के लिए एक समान नागरिक कानूनी ढांचा तैयार करना है, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मुद्दे शामिल हैं। इस विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना और विवाह एवं लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य करना शामिल है। मसौदा कानून के अनुसार, विवाह समारोह के 60 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा, जबकि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को 30 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना होगा। राज्य सरकार के अनुसार, विधेयक में नियमों का पालन न करने पर दंड का भी प्रावधान है, जिसके तहत निर्धारित अवधि के भीतर विवाह या तलाक का पंजीकरण न कराने पर 10,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने 1925 में ही समान नागरिक संहिता की वकालत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल अब धर्मनिरपेक्ष नहीं रहा और एक विशेष समुदाय का प्रतिनिधि बन गया है। 'असम, 2026 विधेयक' पर चर्चा के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून संविधान के अनुच्छेद 44 पर आधारित है, न कि भाजपा या आरएसएस की किसी विचारधारा पर, जैसा कि विपक्ष ने आरोप लगाया है।

आंध्र प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव! नारा लोकेश ने टीडीपी में किया 33% महिला आरक्षण का ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

आंध्र प्रदेश। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश ने बुधवार (27 मई) को आंध्र प्रदेश में 2029 के चुनावों के लिए टीडीपी के भीतर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव रखा। अपनी सबसे बड़ी सभा, 'महानडु' में लोकेश ने कहा कि टीडीपी राजनीति और निर्णय लेने में महिलाओं की अधिक भागीदारी से चिह्नित एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत कर रही है। इसे भारतीय राजनीति में अपनी तरह की पहली पहल बताते हुए, उन्होंने 2029 से पार्टी संरचना और चुनाव नामांकन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा। लोकेश ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय राजनीति का अगला वर्ष महिला नेतृत्व का है। भारत ने महिला आरक्षण विधेयक लाकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है। महिलाएं केवल लाभार्थी बनकर नहीं रहनी चाहिए। महिलाओं को निर्णय लेने वाली बनना चाहिए। दुर्भाग्य से, हाल ही के संसदीय सत्र में विपक्षी दलों ने इस विधेयक को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि कई पार्टियां चुनाव के दौरान महिला सशक्तिकरण की बात करती हैं और चुनाव के बाद उन्हें भूल जाती हैं। लेकिन तेलुगु देशम पार्टी, अपनी स्थापना से ही, महिलाओं की शक्ति में विश्वास रखती आई है। हमने हमेशा उनकी आकांक्षाओं और सपनों का समर्थन किया है। हम उनके साथ खड़े रहे हैं, और हमारा मानना है कि भारतीय राजनीतिक विमर्श में उनकी भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए, मैं प्रस्ताव करता हूं कि हम आगे बढ़कर नेतृत्व करें। आज, इस पवित्र महानाडु मंच से, मैं प्रस्ताव करता हूं कि 2029 के चुनावों में, तेलुगु देशम पार्टी को 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। हम और अधिक महिला सांसद चाहते हैं। हम और अधिक महिला नेता चाहते हैं। हम और अधिक महिला नीति निमार्ता चाहते हैं। तेलुगु देशम पार्टी का भविष्य हमारी महिलाओं द्वारा कंधे से कंधा मिलाकर निर्देशित किया जाएगा। यह हमारा संकल्प है। यह हमारी जिम्मेदारी है। यह हमारी प्रतिबद्धता है। इस वर्ष के महानडू का विषय 'स्त्री शक्ति' है, और इस घोषणा को भारतीय राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और नेतृत्व को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और वैचारिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रीय स्तर पर महिला आरक्षण विधेयक के कार्यान्वयन में लगातार देरी और राजनीतिक असहमति बनी हुई है।

संपादक की कलम से

सीबीएसई का डिजिटल प्रयोग बना छात्रों की सबसे बड़ी परीक्षा

ललित शर्मा
संपादक

मजब सुधार के नाम पर व्यवस्था ही संकट बन जाए, तब शिक्षा तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीबीएसई ने 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की, जिसे पारदर्शिता और गति की दिशा में बड़ा कदम माना गया। उद्देश्य था निष्पक्ष और त्रुटिरहित मूल्यांकन, लेकिन वास्तविकता ने लाखों छात्रों का भरोसा तोड़ दिया। धुंधली स्कैनिंग, गलत उत्तर पुस्तिकाओं का अपलोड, कई उत्तरों का बिना जाँच छूटना और पोर्टल की तकनीकी विफलताओं ने वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा कर दिया। नतीजतन पास प्रतिशत गिरकर 85.2% पर आ गया, जो सात वर्षों का सबसे निचला स्तर रहा। कई मेधावी छात्र अचानक कम अंकों से स्तब्ध रह गए। यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि सपनों पर पड़ा गहरा आघात बन गया। जहाँ शिक्षा सपनों को उड़ान देती है, वहीं डिजिटल अव्यवस्था ने हजारों छात्रों के भविष्य पर विराम लगा दिया। जेईई मेन पास करने वाले कई मेधावी छात्र ओएसएम की खामियों के कारण क्लास 12 में अपेक्षित अंक नहीं ला सके। कई मेधावी छात्र अपेक्षित अंकों (विशेषकर 75% कट–ऑफ) से पीछे रह गए, जिससे एनआईटी/ आईआईटी आदि में प्रवेश प्रभावित हुआ। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और इंग्लिश में अप्रत्याशित कम अंकों ने वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कोचिंग का खर्च, जागी रातें और सुनहरे सपने एक तकनीकी गड़बड़ी के आगे बिखरते दिखे। यह केवल रिजल्ट की भूल नहीं, बल्कि युवाओं के करियर और आत्मविश्वास पर गहरा आघात है। जब एक गलती मार्कशीट से निकलकर मन तक पहुँच जाए, तब उसका असर सबसे भयावह हो जाता है। पूरी मेहनत और समर्पण से तैयारी करने वाले हजारों छात्र अचानक चिंता, निराशा और मानसिक दबाव में घिर गए। सोशल मीडिया पर उठते 'हमारी मेहनत क्यों बर्बाद?' जैसे सवाल व्यवस्था की संवेदनहीनता उजागर करने लगे। कई विद्यार्थियों की नींद छिन गई, परिवार तनाव में डूब गए और कॉलेज एडमिशन की डेडलाइन ने युवाओं को टूटन के कगार पर पहुँचा दिया। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास जगाना है, न कि युवाओं को असुरक्षा में धकेलना। लेकिन सीबीएसई की लापरवाही ने हजारों घरों की शांति और भरोसा दोनों हिला दिए। डिजिटल गलती का यह प्रभाव अब केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि घर–घर की बेचैनी बन गया। जब जांच की प्रक्रिया ही भरोसे के संकट में घिर जाए, तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए। जिन स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को छात्र स्वयं स्पष्ट रूप से नहीं पढ़ पा रहे, उसी डिजिटल प्रारूप में निष्पक्ष री–इवैल्यूएशन कैसे संभव माना जाए? यही कारण है कि मैनुअल री–चेकिंग की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। शिक्षक जब वास्तविक कॉपी देखकर जाँच करते हैं, तब वे लिखावट, उत्तर की संरचना और सोच की क्रमबद्धता को बेहतर समझ पाते हैं। इसके विपरीत ओएसएम में धुंधली इमेज, सीमित दृश्यता और स्क्रीन थकान के कारण कई सही उत्तर भी अनदेखे रह गए। यही कारण है कि प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री–चेकिंग या पूर्ण समीक्षा की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। डिजिटल व्यवस्था की चमक उस समय बिखर गई, जब पोर्टल की खामियां छात्रों के लिए नई परेशानी बन गई।

हँसता है बेईमान

उदय किशोर साह

कविता

गुण्डे मवाली की जब होगा गुणगान
सज्जन पे हँसेगें तब सब . बेईमान
भेंड़चाल है लोकतंत्र की ओछी शान
संख्यांबल की होती है. वहाँ सम्मान

तिरस्कृत होते हैं जहाँ पे विद्वान
मूरख का तब बढ़ जाती है मान
अपनी सफलता पे करते अभिमान
महिमा मंडन करते सब मिल नादान

बन बैठा है समाज में वो भगवान
जो हैं राज की नीति से। अनजान
सत्ता पे बैठा है कोई उनका शैतान
जनता रोती तब होकर परेशान

जग में जनता की है मत आज महान
सोंचसमझ कर करना मत का दान
पैसे पर मत बेचना खुद की स्वाभिमान
अपनी मत की ताकत की कर पहचान

सिंहासन अब खाली करो रे बेईमान
आ रहे हैं जनता जनार्दन की कद्रदान
जन जन की दु :ख दर्द की होगी निदान
सत्ता की बागडोर दो राष्ट्र भक्त के नाम

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अर्थव्यवस्था के विध्वंस की असली कहानी' अर्थव्यवस्था पर सत्ता का संगठित हमला

एन०के०शर्मा
लेखक

अर्थव्यवस्था कभी केवल आंकड़ों का खेल नहीं होती; यह समाज की धड़कन, श्रम का सम्मान, और नागरिकों के विश्वास की सामूहिक अभिव्यक्ति होती है। जब यह धड़कन असामान्य होने लगती है, तो कारण महज वैश्विक उतार-चढ़ाव या बाजार की स्वाभाविक अस्थिरता नहीं होते–अक्सर इसके पीछे सत्ता की नीतिगत प्राथमिकताएँ, निर्णयों की दिशा, और एक सुनियोजित संरचना काम कर रही होती है।

'अर्थव्यवस्था के विध्वंस की असली कहानी' दरअसल उन परतों को खोलती है, जिन्हें सामान्य विमर्श में छिपा दिया जाता है। वर्तमान समय में आर्थिक अव्यवस्था को केवल 'चुनौतियाँ' कहकर टाल देना एक खतरनाक सरलता है। जब लगातार छोटे उद्योग बंद होते हैं, रोजगार के अवसर सिकुड़ते हैं, और आम नागरिक की क्रय-शक्ति घटती है, तो यह केवल संयोग नहीं रह जाता। यह उस संरचनात्मक बदलाव का संकेत होता है, जिसमें नीति निर्माण का केंद्र आम जनता से हटकर विशेष हित समूहों की ओर खिसक जाता है।

सत्ता जब आर्थिक नीतियों को जनहित के बजाय नियंत्रण और केंद्रीकरण के औजार के रूप में इस्तेमाल करने लगती है, तब अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक संतुलन टूटने लगता है।

सबसे पहले आघात पड़ता है असंगठित क्षेत्र पर–वही क्षेत्र जो किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। छोटे व्यापारी, कारीगर, स्थानीय उद्योग–ये केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना के वाहक होते हैं। लेकिन जब नीतियाँ जटिल होती जाती हैं, कर-प्रणाली असंतुलित होती है, और अनुपालन का बोझ असहनीय हो जाता है, तब यह वर्ग धीरे-धीरे हाशिए पर धकेल दिया जाता है। यह प्रक्रिया अचानक नहीं होती; यह क्रमिक होती है, लेकिन इसके परिणाम अत्यंत व्यापक होते हैं। इसके समानांतर, बड़े कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ते आसान होते जाते हैं। कर में रियायतें, संसाधनों तक आसान पहुँच, और नीतिगत संरक्षण–ये सभी मिलकर एक ऐसा आर्थिक परिदृश्य तैयार करते हैं, जहाँ प्रतिस्पर्धा का सिद्धांत केवल कागजों में रह जाता है। यह असंतुलन न केवल बाजार की निष्पक्षता को खत्म करता है, बल्कि दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता को भी कमजोर करता है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू है आंकड़ों की प्रस्तुति। जब वास्तविक आर्थिक स्थिति और प्रस्तुत आंकड़ों के बीच अंतर बढ़ने लगता है, तो यह केवल सूचना का विकृतिकरण नहीं होता–यह विश्वास का क्षरण होता है। बेरोजगारी के आंकड़ों को छिपाना, महंगाई की वास्तविकता को कम करके दिखाना, या विकास दर को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना–ये सभी कदम अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में यह अर्थव्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरे स्तर पर चोट पहुँचाते हैं।

वित्तीय संस्थानों की स्वायत्तता पर बढ़ता दबाव भी इस कहानी का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। जब बैंकिंग व्यवस्था को राजनीतिक या कॉरपोरेट हितों के अनुरूप ढाला जाने लगता है, तो ऋण वितरण की निष्पक्षता प्रभावित होती है। इसके परिणामस्वरूप, एक ओर बड़े ऋण आसानी से उपलब्ध होते हैं, वहीं छोटे उद्यमियों के लिए पूंजी तक पहुँच कठिन होती जाती है। यह विषमता आर्थिक असमानता को और गहरा करती है।

मुद्रा और राजकोषीय नीतियों का असंतुलन भी इस विध्वंस को गति देता है। जब राजस्व बढ़ाने के लिए अप्रत्यक्ष करों का अत्यधिक सहारा लिया जाता है, तो इसका सीधा प्रभाव आम नागरिक पर पड़ता है। वहीं, प्रत्यक्ष करों में राहत का लाभ अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग को मिलता है। यह संरचना धीरे-धीरे एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण करती है, जहाँ विकास का लाभ समान रूप से वितरित नहीं होता।

यह भी समझना आवश्यक है कि अर्थव्यवस्था केवल नीतियों से नहीं, बल्कि विश्वास से चलती है। जब नागरिकों को यह महसूस होने लगता है कि व्यवस्था उनके हित में काम नहीं कर रही, तो वे खर्च कम करते हैं, निवेश से बचते हैं, और आर्थिक गतिविधियाँ धीमी पड़ जाती हैं। यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव किसी भी आर्थिक संकट को और गहरा कर सकता है।

'सत्ता का संगठित हमला' कोई एक घटना नहीं, बल्कि कई स्तरों पर चलने वाली प्रक्रिया है–नीतिगत, संस्थागत, और वैचारिक। यह तब और खतरनाक हो जाती है, जब इसे विकास, सुधार, या राष्ट्रीय हित के नाम पर वैधता प्रदान की जाती है। ऐसे में आलोचना को देशविरोध या नकारात्मकता कहकर खारिज कर दिया जाता है, जिससे संवाद की गुंजाइश और कम हो जाती है।

अंततः, अर्थव्यवस्था का विध्वंस केवल आंकड़ों में गिरावट नहीं है; यह समाज की संरचना में दरारें पैदा करता है। यह असमानता को बढ़ाता है, अवसरों को सीमित करता है, और एक ऐसे भविष्य की नींव रखता है, जहाँ विकास कुछ हाथों में सिमट जाता है। इस वास्तविकता को समझना और उस पर गंभीर, तथ्य-आधारित संवाद करना ही इस स्थिति से बाहर निकलने का पहला कदम हो सकता है।

अधिकांश पेंशन राशि भोजन और चिकित्सा देखभाल में जाती है

डॉ विजय गर्ग
लेखक

समाज में वृद्धजन, विधवाएं और दिव्यांगजन सबसे संवेदनशील वर्गों में आते हैं। सरकार द्वारा दी जाने वाली पेंशन योजनाओं का उद्देश्य इन्हें आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना होता है। लेकिन आज की महंगाई, बढ़ती चिकित्सा लागत और रोजमर्रा की आवश्यकताओं ने स्थिति ऐसी बना दी है कि अधिकांश गरीब लोगों की पेंशन राशि केवल भोजन और इलाज में ही समाप्त हो जाती है। उनके पास जीवन की अन्य आवश्यकताओं के लिए बहुत कम धन बचता है।

गरीब बुजुर्गों की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। जीवनभर मेहनत करने के बाद जब व्यक्ति वृद्धावस्था में पहुंचता है, तब उसे आराम और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। लेकिन आज अनेक बुजुर्ग छोटी-सी पेंशन के सहारे जीवन जीने को मजबूर हैं। बढ़ती उम्र के साथ बीमारियां भी बढ़ती हैं। मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, हृदय रोग और आंखों की समस्याएं आम हो चुकी हैं। इन बीमारियों के इलाज में हर महीने बड़ी राशि खर्च हो जाती है। अस्पताल तक पहुंचने, दवाइयां खरीदने और जांच करवाने में उनकी पेंशन का बड़ा हिस्सा समाप्त हो जाता है। जो धन बचता है, वह भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर खर्च हो जाता है।

विधवाओं की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। पति की मृत्यु के बाद अनेक महिलाएं आर्थिक रूप से पूरी तरह असुरक्षित हो जाती हैं। गांवों और गरीब परिवारों में कई विधवाओं के पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं होता। सरकार से मिलने वाली पेंशन उनके लिए जीवन का एकमात्र सहारा बन जाती है। लेकिन वर्तमान समय में यह राशि इतनी कम है कि उससे केवल दो वक्त की रोटी और मामूली दवाइयों का ही खर्च निकल पाता है। यदि कोई गंभीर बीमारी आ जाए तो स्थिति और भी कठिन हो जाती है।

दिव्यांगजन भी भारी संघर्ष का सामना कर रहे हैं। कई दिव्यांग व्यक्ति शारीरिक या मानसिक सीमाओं के कारण नियमित रोजगार नहीं कर पाते। उन्हें विशेष देखभाल, दवाइयों और कभी-कभी उपकरणों की आवश्यकता होती है। इन सब पर काफी खर्च आता है। ऐसे में पेंशन राशि उनके लिए राहत से अधिक केवल जीवित रहने का साधन बनकर रह जाती है। पौष्टिक भोजन, अच्छी चिकित्सा और सुरक्षित जीवन जैसी मूलभूत सुविधाएं उनके लिए एक सपना बनती जा रही हैं।

महंगाई इस समस्या का सबसे बड़ा कारण है। खाद्य पदार्थों, दवाइयों, बिजली, गैस और परिवहन के खर्च में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि पेंशन राशि में उतनी बढ़ोतरी नहीं हो रही। कई राज्यों में मिलने वाली मासिक पेंशन इतनी कम है कि वह कुछ दिनों का खर्च भी पूरा नहीं कर पाती। परिणामस्वरूप गरीब पेंशनभोगियों को कर्ज लेना पड़ता है या दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी चिंता का विषय है। वहां लंबी कतारें, डॉक्टरों की कमी और दवाइयों की अनुपलब्धता जैसी समस्याएं आम हैं। मजबूरी में गरीब लोगों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है, जहां इलाज बेहद महंगा होता है। कई बार बुजुर्ग और गरीब मरीज पैसे की कमी के कारण अपना इलाज अधूरा छोड़ देते हैं। इससे उनकी बीमारी और गंभीर हो जाती है।

यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानवीय समस्या भी है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। वृद्धजन, विधवाएं और दिव्यांगजन सम्मान और सुरक्षा के हकदार हैं। उन्हें ऐसा जीवन मिलना चाहिए जिसमें उन्हें भोजन और इलाज के लिए संघर्ष न करना पड़े।

सरकार को चाहिए कि पेंशन राशि को महंगाई के अनुसार बढ़ाया जाए। गरीब पेंशनभोगियों के लिए मुफ्त या सस्ती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यक दवाइयों और जांचों को आसान और सुलभ बनाया जाए। साथ ही समाज और परिवारों को भी अपने बुजुर्गों और जरूरतमंद सदस्यों की देखभाल के प्रति संवेदनशील होना होगा।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समाज की जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का प्रतीक है। यदि गरीब बुजुर्ग, विधवाएं और दिव्यांगजन अपनी अधिकांश पेंशन केवल भोजन और चिकित्सा पर खर्च करने को मजबूर हैं, तो यह हम सभी के लिए गंभीर चिंतन का विषय है।

कानूनी मापन संशोधन नियम-2026 लागू, CNG-LPG व हाइड्रोजन पंपों पर माप-तौल में हेराफेरी पर लगेगी रोक

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत में ईंधन वितरण प्रणाली लंबे समय से उपभोक्ता विश्वास, पारदर्शिता और माप- तौल की सटीकता से जुड़ा एक संवेदनशील विषय रही है। पेट्रोल पंपों पर कम ईंधन देने की शिकायतें हों या उभरते स्वच्छ ईंधन क्षेत्रों, सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन, में मानकीकरण की चुनौती, सरकार के सामने एक ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता थी जो उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने के साथ- साथ आधुनिक ऊर्जा अर्थव्यवस्था की जरूरतों को भी पूरा कर सके। इसी दिशा में केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा कानूनी मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) संशोधन नियम, 2026 लागू किए गए हैं, जो 8 मई 2026 को राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही पूरे देश में तत्काल प्रभाव से लागू हो गए, जिसके लिए विधि मापन संबंधी सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र संशोधन नियम, 2026 के मसौदे पर हितधारकों से टिप्पणियाँ 1 से 31 जनवरी 2026 तक आमंत्रित की गई थीं इस संशोधन का मूल उद्देश्य भारत की कानूनी मापन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक, तकनीक-सक्षम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। नए नियमों के अंतर्गत पहली बार पेट्रोल/डीजल डिस्पेंसर, सीएनजी डिस्पेंसर, एलपीजी डिस्पेंसर, एलएनजी डिस्पेंसर और हाइड्रोजन डिस्पेंसर को सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) ढांचे में शामिल किया गया है। इसका अर्थ यह है कि अब इन ईंधन वितरण प्रणालियों का सत्यापन और पुनःसत्यापन अधिक व्यवस्थित तेज और व्यापक स्तर पर हो सकेगा। यह कदम न केवल उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन सुनिश्चित करेगा बल्कि भारत में स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण, हरित ईंधन अवसंरचना और डिजिटल प्रशासन को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत में लीगल मेट्रोलॉजी अर्थात कानूनी मापन व्यवस्था का महत्व केवल व्यापारिक लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उपभोक्ता संरक्षण, निष्पक्ष बाजार व्यवस्था और आर्थिक विश्वसनीयता की आधारशिला भी है। जब कोई उपभोक्ता पेट्रोल, सीएनजी या एलपीजी खरीदता है, तो वह वस्तुतः मात्रा और मूल्य के बीच एक कानूनी अनुबंध कर रहा होता है।यदि माप में गड़बड़ी होती है तो यह सीधा आर्थिक शोषण माना जाता है। इसी कारण दुनियाँ के विकसित देशों में ईंधन वितरण प्रणालियों के लिए अत्यंत कठोर सत्यापन मानक लागू किए जाते हैं। भारत में भी लंबे समय से विधिक मापन अधिनियम और संबंधित नियम लागू हैं, किंतु बदलती तकनीकों और ऊर्जा प्रणालियों के विस्तार के कारण नई चुनौतियां सामने आ रही थीं।विशेष रूप से सीएनजी और हाइड्रोजन जैसे गैसीय ईंधनों के वितरण में उच्च तकनीकी सटीकता की आवश्यकता होती है।

ऐसे में सरकार द्वारा जीएटीसी ढांचे का विस्तार करना एक समयोचित और दूरदर्शी निर्णय माना जा रहा है। साथियों, यह संशोधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे भारत में एक समान रूप से लागू होने वाला केंद्रीय नियम है। यानी 8 मई 2026 से देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह व्यवस्था प्रभावी हो चुकी है। हालांकि, केंद्र सरकार ने राज्यों को भी पर्याप्तलचीलापन दिया है। संशोधन के अंतर्गत राज्य सरकारों को यह अधिकार प्रदान किया गया है कि वे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और औद्योगिक जरूरतों के आधार पर अतिरिक्त श्रेणियों के वजन एवं माप उपकरणों को सत्यापन के लिए अधिसूचित कर सकें। इससे संघीय ढांचे और स्थानीय प्रशासनिक जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित होता है। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों में प्राकृतिक गैस आधारित परिवहन अधिक है, वहां सीएनजी डिस्पेंसरों के सत्यापन पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा, जबकि औद्योगिक राज्यों में एलएनजी या हाइड्रोजन आधारित अवसंरचना को प्राथमिकता दी जा सकती है। साथियों बात अगर हम संशोधित नियमों का सबसे बड़ा प्रभाव को समझने की करेंतो सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों अर्थात जीएटीसी की भूमिका में दिखाई देगा। जीएटीसी वे संस्थान हैं जिन्हें सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होती है और जिनके पास वजन और मापउपकरणों के सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता, परीक्षणप्रयोगशालाएं और प्रमाणन क्षमता उपलब्ध होती है। अब तक इन केंद्रों के माध्यम से 18 श्रेणियों के उपकरणों का सत्यापन किया जाता था, लेकिन नए संशोधन के बाद पांच नई श्रेणियों को जोड़कर कुल संख्या 23 कर दी गई है। इससे देशभर में सत्यापन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पहले जहां कई क्षेत्रों में परीक्षण और सत्यापन के लिए सरकारी विभागों पर अत्यधिक दबाव रहता था, वहीं अब निजी क्षेत्र की तकनीकी प्रयोगशालाओं और अनुमोदित संस्थानों को भी इस प्रक्रिया में शामिल करके क्षमता का विकेंद्रीकरण किया गया है।

इससे समय की बचत होगी, सेवाएं अधिक सुलभ होंगी और प्रमाणन प्रक्रिया में तेजी आएगी। साथियों, नई जोड़ी गई श्रेणियों में पेट्रोल/डीजलडिस्पेंसर सीएनजी डिस्पेंसर, एलपीजी डिस्पेंसर, एलएनजी डिस्पेंसर और हाइड्रोजन डिस्पेंसर शामिल हैं। यह सूची इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल पारंपरिक ईंधन आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह भविष्य की हरित ऊर्जा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नियामक ढांचा विकसित कर रहा है। विशेष रूप से हाइड्रोजन डिस्पेंसरों को शामिल करना अत्यंत दूरदर्शी कदम माना जा रहा है। दुनिया भर में ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का स्वच्छ ईंधन माना जा रहा है और भारत भी राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से इस क्षेत्र में तेजी से निवेश कर रहा है। ऐसे में यदि वितरण प्रणाली का सत्यापन वैज्ञानिक और पारदर्शी नहीं होगा तो भविष्य में बड़े स्तर पर उपभोक्ता विवाद और तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती थीं। सरकार ने समय रहते इस दिशा में नियामक ढांचे को मजबूत कर दिया है। सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन जैसे ईंधनों का वितरण सामान्य तरल ईंधनों की तुलना में कहीं अधिक जटिल होता है। इनमें दबाव, तापमान और गैस घनत्व जैसे कई वैज्ञानिक कारक शामिल होते हैं। यदि माप उपकरणों का समय पर अंशांकन और सत्यापन न किया जाए तो वितरण में बड़ी त्रुटियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसका प्रभाव केवल उपभोक्ता के आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सुरक्षा जोखिम भी बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, हाइड्रोजन अत्यधिक ज्वलनशील गैस है और इसकी आपूर्ति में तकनीकी मानकों की अनदेखी गंभीर दुर्घटनाओं को जन्म दे सकती है। इसलिए इन नई श्रेणियों को कानूनी मापन ढांचे में शामिल करना ऊर्जा सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। साथियों, सरकार द्वारा सत्यापन शुल्क भी स्पष्ट रूप से निर्धारित कर दिया गया है। संशोधित नियमों के अनुसार पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसरों के सत्यापन शुल्क को 5,000 रुपये प्रति नोजल तथा सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसरों के लिए 10,000 रुपये प्रति नोजल निर्धारित किया गया है। पहली नजर में यह शुल्क कुछ संचालकों को अधिक लग सकता है, लेकिन यदि इसे उपभोक्ता संरक्षण और तकनीकी विश्वसनीयता के संदर्भ में देखा जाए तो यह निवेश दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। सही सत्यापन व्यवस्था उपभोक्ता विवादों को कम करेगी, ईंधन चोरी और माप-तौल में हेराफेरी पर अंकुश लगाएगी तथा व्यवसायों की विश्वसनीयता बढ़ाएगी। इस संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना भी है। नियमों में संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के अधिकारियों को विशेष शक्तियां प्रदान की गई हैं ताकि अनुमोदन और संबंधित प्रशासनिक मामलों का त्वरित निपटान हो सके। भारत जैसे विशाल देश में अक्सर तकनीकी स्वीकृतियों और प्रमाणन प्रक्रियाओं में देरी एक बड़ी समस्या रही है। यदि सत्यापन और अनुमोदन समय पर नहीं हो पाते, तो उद्योगों की लागत बढ़ती है और उपभोक्ताओं को भी असुविधा होती है। इसलिए यह संशोधन केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि प्रशासनिक सुधार भी है। साथियों, यह पहल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जब सत्यापन सेवाएं अधिक उपलब्ध और तेज होंगी, तो उद्योगों को संचालन में आसानी होगी। इससे ईंधन वितरण नेटवर्क के विस्तार में तेजी आएगी। विशेष रूप से सीएनजी और एलएनजी आधारित परिवहन अवसंरचना को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। भारत पहले ही प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अनेक शहरों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। ऐसे में सत्यापन क्षमता का विस्तार ऊर्जा क्षेत्र के विकास को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन देगा।उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो यह संशोधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में लंबे समय से ईंधन पंपों पर कम मात्रा में ईंधन देने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई बार इलेक्ट्रॉनिक छेड़छाड़, गलत अंशांकन या तकनीकी गड़बड़ियों के कारण उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता था। अब अधिक संख्या में सत्यापन केंद्र उपलब्ध होने से नियमित जांच और पुनः सत्यापन संभव होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होगा। इसके अतिरिक्त राज्य के विधिक माप विभाग अब सत्यापन संबंधी कार्यभार से कुछ हद तक मुक्त होकर निरीक्षण, प्रवर्तन और उपभोक्ता शिकायत निवारण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान सटीकता से केंद्रित कर सकेंगे।

मोदी सरकार के सफलतम बारह वर्ष संपन्न होने पर पीलीभीत भाजपा संगठन द्वारा कार्यशाला संपन्न

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर मोदी सरकार के सफलतम बारह वर्ष संपन्न होने पर भाजपा संगठन द्वारा बारह साल विश्वास के , विकास के , जन कल्याण के अभियान की जिला कार्यशाला संपन्न हुई इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि संगठन के निदेर्शानुसार बारह साल विश्वास के , विकास के , जन कल्याण के अभियान के निमित्त जिला उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव को संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष मान सिंह राठौर , आयुष मिश्रा एवं जिला मंत्री नागेन्द्र प्रताप को सह संयोजक बनाया गया है , उन्होंने बताया कि इस पंद्रह दिवसीय अभियान में विशेष जनसंपर्क एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित होंगे क इस अवसर पर जिला प्रभारी गुलशन आनंद ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतम बारह वर्ष पूर्ण होने पर कार्यकताओं व पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पांच जून से इक्कीस जून तक संगठन द्वारा बारह साल विश्वास के , विकास के , जन कल्याण के अभियान चलाया जाएगा जिसमें।

पांच जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंडल स्तर तक प्रत्येक कार्यकर्ता को एक पेड़ माँ के नाम लगाते हुए वृक्षारोपण करना है।

तेरह जून को केंद्र सरकार के बारह वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देने हेतु मीडिया संवाद आयोजित होगा।

चौदह से सोलह जून के मध्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभार्थियों को सीधे लाभान्वित करने के लिए ब्लॉक स्तर पर जन कल्याण शिविर आयोजित होंगे।

सोलह से सत्रह जून तक भव्य विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित होगा।

सत्रह जून से बीस जून तक केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कामों को उल्लेखित करती हुई प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

अठारह से उन्नीस जून तक प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित होगी।

इक्कीस जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंडल स्तर तक योग शिविर का आयोजन होगा।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पीलीभीत की चेयरमैन डॉक्टर आस्था अग्रवाल , मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, जिला महामंत्री महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री , जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता , नमन प्रताप राजपूत , जिला मंत्री नागेन्द्र प्रताप सिंह , विकास वाल्मीकि , अमित कुशवाहा , जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार , जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल सिंह , जिला कार्यालय मंत्री पुष्पा शुक्ला , जिला सह कार्यालय मंत्री रामचरन लाल राठौर , महेश वर्मा , अमनदीप मिश्रा , विवेक शुक्ला , हर्षित चौधरी , प्यारेलाल कश्यप , इंद्रेश सिंह चौहान , कपिल सिंह , सुमित सागर , महेंद्र पाल राजपूत , अनूप वाल्मीकि , विजय सिंह , गोविंद पासवान प्रमुखता से उपस्थित रहे।

फादरसन पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय माइक्रो टीचिंग सत्र के प्रथम दिवस का सफल आयोजन

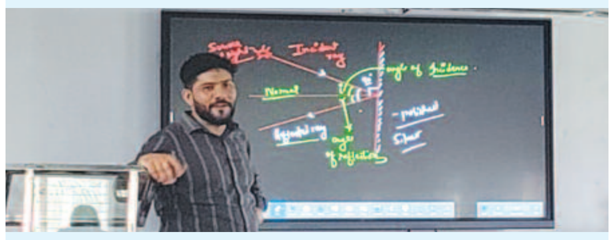

नितिन शर्मा

चांदपुर(वेलकम इंडिया)। फादरसन पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय माइक्रो टीचिंग सत्र के प्रथम दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक रहा। सभी शिक्षकों ने पूरे आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ अपनी प्रस्तुति दी तथा एक-दूसरे से नई शिक्षण विधियाँ, तकनीकें और प्रभावी कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं को सीखा। सत्र के दौरान शिक्षकों ने विषय प्रस्तुतीकरण, भाषा कौशल, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के उपाय तथा आधुनिक शिक्षण तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया। पूरे कार्यक्रम में सहयोग, सीखने की भावना और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमन कुमार सूर्यवंशी ने सभी शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के आत्मविश्वास और शिक्षण गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आगे भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। माइक्रो टीचिंग सत्र का पहला दिन शिक्षकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और यादगार रहा।

अध्यापकों को जीवन कौशल शिक्षा की समझ के तरीके सीखाए

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। स्योहारा रोड़ स्थित आर आर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला ₹जीवन कौशल₹ विषय पर आयोजित की गई। जिसमें सीबीएसई के करीब आठ स्कूलों के 60 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का शुभारंभ सीबीएसई द्वारा नियुक्त कार्यशाला रिसोर्स पर्सन शमीन पुरोहित एवं मालिनी शर्मा, प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता, उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूल में आयोजित कार्यशाला में ₹जीवन कौशल₹ इस विषय पर अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे हम अपनी व्यवहारिक, मानसिक और सामाजिक क्षमताओं द्वारा दैनिक जीवन की चुनौतियों, समस्याओं और दबाबो को आसानी और प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाते है। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन शमीन पुरोहित ने शैक्षिक परिदृश्य में जीवन कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह छात्रों की 21वी सदी की जटिलताओं, समस्याओं का सामना करने में सक्षम बनाती है। मालिनी शर्मा ने बताया कि जीवन कौशल शिक्षा का आज के समय में हमारे लिए सिखाना बहुत ही जरूरी है। आज का समय बच्चों को शिक्षा से जुड़ाव करता है। इसीलिए स्कूली शिक्षा और अध्यापकगणों को अपने विषय को पढ़ने और समझने के तरीकों में जीवन कौशल को जोड़कर बच्चों तक अच्छे प्रभावी तरीके से करना जरूरी है। जीवन कौशल शिक्षा एकमात्र ऐसी शिक्षा है जो बच्चों के साथ अध्यापकों को भी बच्चों को मजबूती से जोड़ता है। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता व उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने सीबीएसई द्वारा नियुक्त रिसोर्स पर्सन को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला में आर० आर० पब्लिक स्कूल नूरपुर के अतिरिक्त भारत स्वरुप अकेडमी धामपुर, मदुर मेमोरियल स्कूल स्योहारा, गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल नूरपुर, वी०एस०एम० अकेडमी नूरपुर, सरस्वती विद्या मंदिर चांदपुर, श्री सिध्बली स्कूल कोटद्वार आदि के शिक्षक शिक्षिकाओं ने हिस्सा लियो संचालन स्वाति यादव ने किया।

ईद-उल-अजहा की नमाज सड़क पर अदा नहीं होगी, प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने जामा मस्जिद टांडा में ली महत्वपूर्ण बैठक

टांडा(वेलकम इंडिया)। ईद–उल–अजहा की नमाज की तैयारियों को लेकर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने जामा मस्जिद पहुंचकर अहम बैठक की। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि ईद की नमाज मस्जिद के अंदर ही अदा की जाएगी। किसी भी हालत में सड़क या बाहर नमाज नहीं होगी। बुधवार को जामा मस्जिद पहुंचे प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने मस्जिद के इमाम मौलाना जलीस अहमद, मस्जिद कमेटी के सदस्यों तथा नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में उन्होंने ईद की नमाज के समय, तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने कमेटी और इमाम को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि ईद उल अजहा की नमाज मस्जिद परिसर के अंदर ही अदा की जाए। सड़क पर नमाज पढ़ने की किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं दी जाएगी। इमाम जामा मस्जिद मौलाना जलीस अहमद ने नमाज का समय बताते हुए कहा कि ईद की नमाज जामा मस्जिद में सुबह 7 :00 बजे, ईदगाह में सुबह 6 :30 बजे, थाने वाली मस्जिद सुबह 7 :30 बजे अदा की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष पति मकसूद लाला, मोहम्मद तौसीफ, हाफिज जमील, अकीलुर्रहमान, हाजी शकील, मोहम्मद नाजिम, वकील होटल वाले, मोहम्मद मुस्तकीम, इस्लाम कुरैशी, मो. वसी, मोहम्मद अय्यूब सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसाइटी की बैठक सम्पन्न

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में रेड क्रॉस समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समिति की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस समिति समाजसेवा और जनहित के महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़ी संस्था है, इसकी गतिविधियों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले रक्तदान शिविर एवं अन्य कार्यक्रम की सूचना सभी सदस्यों को ससमय उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में समिति के नवीन गठन के संबंध में भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समिति का नया गठन निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप समयबद्ध ढंग से कराया जाए।

साथ ही समिति में सक्रिय, समाजसेवा के प्रति समर्पित एवं योग्य व्यक्तियों को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता एवं सेवाएं प्रभावी ढंग से पहुंचनी चाहिए तथा समिति की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाया जाए।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, संबंधित अधिकारी एवं समिति से जुड़े पदाधिकारी/सदस्य उपस्थित रहे।

नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च कर शांति एवं सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया गया

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक पीलीभी के निर्देशन में आगामी ईद-उल-अजहा पर्व के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी द्वारा थाना कोतवाली एवं सुनगढ़ी पुलिस बल के साथ नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च कर शांति एवं सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

फ्लैग मार्च के दौरान नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, बाजारों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, लगातार भ्रमणशील रहने एवं संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, अफवाह फैलाने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर पर्व को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील भी की गई।

बीसलपुर में डॉ. डीपी गंगवार के कार्यालय का भव्य उद्घाटन, प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत 130 विधानसभा बीसलपुर में भाजपा के प्रबल दावेदार डॉ. डीपी गंगवार के कार्यालय का उद्घाटन बीसलपुर स्थित विनायक बारात घर में भाजपा जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य के हाथों संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की भारी भीड़ मौजूद रही। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान डॉ. डीपी गंगवार ने जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य सहित वरिष्ठ नेताओं का राम स्मृति चिन्ह, भाजपा पटका, फूलमाला एवं बुके भेंट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, नागेंद्र प्रताप सिंह, जिला मंत्री शेखर शुक्ला, मंडल मंत्री उमाकांत, नगर अध्यक्ष बीसलपुर हजारीलाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश गंगवार, मंडल उपाध्यक्ष अशोक कुमार, ब्लॉक प्रमुख बीसलपुर रामप्रताप, गोपाल, मुनेंद्र पाल, हरपाल, मुन्नालाल, नंदराम वर्मा, नरेश पाल, बृजेश शुक्ला, हरिओम, संजीव मौर्य, मंडल अध्यक्ष बिलसंडा राजेंद्र देव भारती, युवा मोर्चा टिकरी के सत्यवीर मिश्रा, मंडल महामंत्री टिकरी वीर देव शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष अंशुल तथा कोषाध्यक्ष राजीव गंगवार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेताओं ने संगठन की मजबूती और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में 'तेल बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत प्रचार रथ एवं ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। डॉ. डीपी गंगवार ने बताया कि यह प्रचार रथ गांव-गांव जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनहितकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा तथा लोगों को तेल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करेगा।

नेताओं ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और 'तेल बचाओ, देश बचाओ' अभियान के माध्यम से आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. डीपी गंगवार ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। साथ ही उपस्थित कार्यकताओं को राम स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

टीएसआई की लापरवाही से बीसलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, जाम में फंस रही एम्बुलेंस

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। कस्बे में लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर आम जनता में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीसलपुर में तैनात टीएसआई सुरेंद्र की कथित लापरवाही के चलते कस्बे से लेकर ईदगाह जैसे मुख्य चौराहों तक रोजाना लंबा जाम लग रहा है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कई बार जाम में एम्बुलेंस तक फंस जाती हैं। समय पर रास्ता न मिलने से मरीजों की जान पर भी संकट खड़ा हो जाता है। व्यापारियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों ने ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह चरमराया हुआ बताया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि प्रमुख चौराहों पर याताय व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था नजर नहीं आती, जिसके चलते दिनभर अव्यवस्था बनी रहती है। बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण और अव्यवस्थित वाहन खड़े होने से भी जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार टीएसआई सुरेंद्र को पूर्व में विवादों के चलते हटाया गया था, लेकिन कथित सांठगांठ के चलते उनकी दोबारा तैनाती हो गई। अब जनता प्रशासन से यातायात व्यवस्था सुधारने और मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग कर रही है।

बिलसंडा सराफा बाजार में लगी लैब में सोने के जेवर की टेस्टिंग में किया जा रहा खेल

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। बिलसंडा कस्बा की सराफा बाजार में लगी गोल्ड टेस्टिंग लैब में जेवरात टेस्टिंग के नाम पर भोले वाले ग्राहकों को भड़काने का सिलसिला जारी है ।जबकि ग्राहकों को टेस्टिंग का प्रमाण पत्र देने की बजाय हाथ से लिखी गोलमोल बिना तारीख की पर्ची दी जा रही है।

ग्राहक आए दिन गोल्ड टेस्टिंग सेंटर के संचालक के झांसे में आकर व्यापारियों से झगड़ा फसाद पर आमादा हो रहे हैं । अभी हाल ही में सोने की एक चेन की टेस्टिंग बिलसंडा सराफा बाजार में लगी लैब द्वारा कराई गई और मामले को तूल पकड़ा दिया गया। ग्राहक ने मात्र 30हजार रुपए में 2 साल पूर्व एक 5 ग्राम की सोने की चैन की रसीद थाना पुलिस को दिखाए बिना मनमाने तरीके से गंभीर आरोप लगाए व्यापारी ने किसी तरह ग्राहक को संतुष्ट कर20 हजार रुपए का नुकसान उठा लिया और ग्राहक की बात मानकर चैन चेंज करते हुए मामले को रफा दफा कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बिलसंडा कस्बा की सराफा बाजार से एक ग्राहक ने एक वर्ष पूर्व एक सोने की अंगूठी खरीदी थी जिसके बाद एक महीने पूर्व ग्राहक उस अंगूठी को सराफा बाजार में लगी गोल्ड टेस्टिंग लैब में जांच कराने ले गया ।

लैब संचालक के द्वारा बिना प्रमाण पत्र दिए एक गोलमोल पर्ची पर बगैर तारीख 48.73 प्रतिशत टेस्टिंग दर्शाकर ग्राहक को भ्रमित किए जाने का काम लैब संचालक के द्वारा किया गया । इस बात से साफ जाहिर की बिलसंडा की सराफा बाजार में बिक रहे सोने चांदी की शुद्धता की जांच को लेकर सवाल खड़े हो गए।

ग्राहक ने जिस व्यापारी से अंगूठी खरीदी थी उसकी दुकान पर ग्राहक पहुंचा और झगड़ा प्रसाद पर आमादा हो गया । कस्बा के सरार्फा व्यापारी ने किसी तरह ग्राहक को समझा बूझकर शांत किया । व्यापारी सोने की अंगूठी लेकर तहसील बीसलपुर में लगे दो अलग-अलग गोल्ड टेस्टिंग सेंटर में पहुंच कर दो जगह जांच कराई वहां पर प्रमाण पत्र के मुताबिक 53 . 89% टंच दशार्या गया जबकि बीसलपुर के दूसरे टेस्टिंग सेंटर में 54.0 3 टंच का प्रमाण पत्र दिया गया । जबकि बिलसंडा की सराफा बाजार में लगी गोल्ड टेस्टिंग सेंटर मैं भारी अंतर आने के कारण टेस्टिंग लैब की जमकर फजीहत हो रही है यह मामला सराफा मार्केट में चर्चा का विषय है।

माता रमाबाई अंबेडकर की 91वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

राजेंद्र सिंह

हापुड़ पिलखुवा(वेलकम इंडिया)। स्थानीय आर्य नगर स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में संविधान निमार्ता भीमराव अंबेडकर की पत्नी रमाबाई अंबेडकर की 91वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन माता रमाबाई अंबेडकर महिला संघ, पिलखुवा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया ।समारोह को संबोधित करते हुए धम्मचारिणी प्रज्ञाकीर्ति ने माता रमाबाई अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी पुरुष की सफलता के पीछे महिला का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की शिक्षा और सामाजिक आंदोलन में माता रमाबाई का अतुलनीय योगदान रहा है ।प्रज्ञाकीर्ति ने माता रमाबाई के जीवन से जुड़े कई भावुक प्रसंग सुनाए, जिन्हें सुनकर उपस्थित महिलाओं की आंखें नम हो गईं। उन्होंने बताया कि दवाई के अभाव में उनके चार पुत्रों रमेश, राजरतन, गंगाधर तथा पुत्री इंदु का निधन हो गया, लेकिन इतनी बड़ी पीड़ा सहने के बावजूद माता रमाबाई ने कभी भी बाबा साहब की शिक्षा और आंदोलन में बाधा नहीं बनने दी और हर परिस्थिति में उनका सहयोग किया ।इस अवसर पर श्रीमती कांता निमेष, श्रीमती मुनेश, श्रीमती ममता एवं प्रीति ने माता रमाबाई के जीवन और संघर्ष पर प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किए ।कार्यक्रम में सविता, बीना, नीतू, रामबती, शीला, हेमलता, सुमन, पुष्पा, लक्ष्मी, बाला, मुन्नी, ओमवती, सुनीता, बबीता, सुरेश, विमला, कांति, उषा, साधना, शकुंतला, कृष्णा, गीता, राजवीरी, जगवती, अंजू, राजकली, नेहा गौतम, शिखा एवं चंद्रवती सहित लगभग 80 महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ धम्मचारिणी प्रज्ञाकीर्ति ने बुद्ध वंदना के साथ किया तथा 'सब्बे सत्ता सुखी होंतु' के संगायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आगरा पुलिस की बड़ी कामयाबी: 2 महीने में खोजे 88.70 लाख के 201 गुमशुदा मोबाइल, चेहरों पर लौटी मुस्कान

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा कमिश्नरेट की नगर जोन पुलिस ने मोबाइल खोने वाले नागरिकों को एक बड़ा तोहफा दिया है। पुलिस कमिश्नर के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त (नगर) व नोडल अधिकारी के कुशल पर्यवेक्षण में सीसीटीएनएस सेल और सर्विलांस सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पिछले दो महीनों में गायब हुए 201 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

बरामद किए गए इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 88 लाख 70 हजार 205 रुपये आंकी गई है। बुधवार को पुलिस उपायुक्त नगर जोन द्वारा सभी बरामद मोबाइल फोन उनके असली स्वामियों को सौंप दिए गए।

अपना खोया हुआ कीमती फोन वापस पाकर मोबाइल स्वामियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने आगरा पुलिस का दिल से आभार व्यक्त किया। पुलिस के अनुसार, भारत सरकार द्वारा गुमशुदा मोबाइल और टैबलेट की रिकवरी के लिए शुरू किए गए CEIR- (Central Equipment Identity Register) पोर्टल की मदद से यह सफलता हासिल हुई है। नगर जोन के विभिन्न थानों में दर्ज शिकायतों के आधार पर थानों के CCTNS कार्यालयों में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटरों ने पोर्टल से प्राप्त 'ट्रेसेबिलिटी डिटेल्स' का बारीकी से अध्ययन किया। इसके बाद, गायब हुए मोबाइलों में इस्तेमाल हो रहे नए सिम नंबरों और उनकी सटीक लोकेशन को ट्रैक कर कुल 201 एंड्रॉइड फोन बरामद किए गए।

पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे बड़ी सफलता सर्विलांस सेल और शाहगंज पुलिस को मिली है। पूरा विवरण इस प्रकार है सर्विलांस सेल80, शाहगंज 20, ट्रांसयमुना 9 , एत्माद्दौला, सदर बाजार, एकता 8 प्रत्येक (कुल 24) , छत्ता, जगदीशपुरा 7 प्रत्येक (कुल 14) , कोतवाली, नाई की मंडी, सिकंदरा, लोहामंडी 6 प्रत्येक (कुल 24) , मंटोला, एम.एम. गेट, हरीपर्वत, ताजगंज 5 प्रत्येक (कुल 20) , कमलानगर, न्यू आगरा, रकाबगंज 3 प्रत्येक (कुल 9) , पर्यटन थाना 2 ,साइबर थाना, महिला थाना, ताजसुरक्षा 0 , कुल बरामदगी 201 मोबाइलों की हुई है

इस पूरी रिकवरी प्रक्रिया में तकनीकी और धरातली स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम में एसआई अभिषेक तिवारी (प्रभारी सर्विलांस सेल, नगर जोन कमिश्नरेट आगरा, सहायक एसआई बृजेश कुमार (प्रभारी सीसीटीएनएस सेल, नगर जोन कमिश्नरेट आगरा, कांस्टेबल शुभम चौधरी (सर्विलांस सेल) कांस्टेबल अचिन (सर्विलांस सेल) कांस्टेबल मोनू (सीसीटीएनएस सेल) शामिल रहे।

जनता ने की सराहना:

पुलिस लाइन/कार्यालय में जब पीड़ितों को उनके फोन वापस मिले, तो कई लोग भावुक हो गए। आम जनता ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और तकनीकी दक्षता की जमकर प्रशंसा की है।

जिलाधिकारी ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ई.वी.एम-वी.वी.पैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस से श्री बलवीर सिंह धनगर तथा समाजवादी पार्टी से श्री नाजिम अब्बासी, श्री सोनू ठाकुर एवं श्री अजय ठाकुर मौजूद रहे। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को मूल-भूत सुविधाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करे। सतर्कता बनाए रखे तथा निरंतर निगरानी सुनिश्चित करें। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ पंकज कुमार वर्मा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसा: ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक गंभीर

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिले के चोड़ार चौराहे के पास बुधवार दोपहर करीब 12 बजे ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। इस हादसे में बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के करहिया गांव निवासी 35 वर्षीय कृष्णा गौतम पुत्र घनश्याम के रूप में हुई है। कृष्णा अपने साथी दीपक पुत्र रमेश, निवासी महादेवा नानंकार, के साथ बाइक से जा रहे थे। चोड़ार चौराहे के पास उनकी बाइक की सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को संभाला और पुलिस के पहुंचने तक प्राथमिक सहायता प्रदान की। पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने कृष्णा गौतम को मृत घोषित कर दिया। घायल दीपक का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में गमगीन माहौल था। मृतक के परिवार में मातम छा गया है। थानाध्यक्ष नवीन सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

बकरीद को लेकर पत्रकार फतेह खान ने देशवासियों को दी मुबारकबाद, अमन-चैन और भाईचारे का दिया संदेश

फतेह खान

रुदौली अयोध्या(वेलकम इंडिया)। बकरीद के पावन पर्व के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार फतेह खान ने देशवासियों को दिली मुबारकबाद देते हुए सभी से आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, कुबार्नी और इंसानियत का पर्व है, जो हमें एक-दूसरे की मदद करने और समाज में मोहब्बत फैलाने का संदेश देता है।

पत्रकार फतेह खान ने कहा कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी एकता है। बकरीद का त्योहार हमें यह सिखाता है कि हम सभी मिल-जुलकर शांति और भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने आगे कहा कि गरीबों, जरूरतमंदों और बेसहारा लोगों की मदद करना ही इस पर्व की असली भावना है। समाज में मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे का पैगाम पहुंचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अंत में पत्रकार फतेह खान ने देश और प्रदेशवासियों की खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन की दुआ करते हुए सभी को बकरीद की हार्दिक मुबारकबाद दी।

गांव में बैठक कर ग्रामीण पर्यटन समिति का किया गया गठन

असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद के विकास खंड बढ़नी अंतर्गत ग्राम पंचायत घरुआर गांव में 27 मई दिन बुधवार को ग्राम प्रधान शारदा देवी की अध्यक्षता में बैठक कर ग्रामीण पर्यटन समिति का गठन किया गया।

जिसमें ग्राम प्रधान शारदा देवी को अध्यक्ष, विक्रम उपाध्यक्ष, भानू प्रताप सिंह सचिव, अर्जुन कोषाध्यक्ष व कायावती, प्रदीप कुमार, नरेंद्र कुमार कन्नौजिया, अनीता,नंदनी, जयप्रकाश, मीना, रामविलास को सदस्य के रूप में सभी पदों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

उक्त परियोजना उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा संचालित परियोजना एग्री - रुरल एंड गंगे ग्राम रुरल टूरिज्म जो कि लक्ष्य संस्था के द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

उक्त बैठक में लक्ष्य सोसायटी फॉर इन्वायर डेवलपमेंट लखनऊ से आये प्रतिनिधि संदीप उपाध्याय ने पर्यटन समिति के कार्य एवं दायित्व की जानकारी दी।

साथ ही सभी पदों का सर्वसम्मति से चुनाव भी करवाया। उक्त बैठक में ग्रामीण पर्यटन विशेषज्ञ रिषभ राय लखनऊ, जिला समन्वयक अविनाश मिश्रा ,ग्रामीण समन्वयक मिथलेश कुमार यादव, कृष्ण मोहन चौधरी, शिव कुमार यादव,जंग बहादुर, नीबर आदि लोग उपस्थित रहे।

रेलवे यार्ड में 14 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से हड़कंप, हत्या की आशंका, जांच तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र स्थित रेलवे यार्ड में सोमवार को एक 14 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। किशोरी के चेहरे और सिर पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस हत्या की आशंका के एंगल से मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलते ही हाईवे थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन देर शाम तक किशोरी की पहचान नहीं हो सकी थी। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। वहीं पुलिस रेलवे यार्ड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी हुई है, ताकि घटना से जुड़े सुराग मिल सकें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिला कांग्रेस कमेटी सिद्धार्थनगर ने बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल सिंह अन्नू उपाध्यक्ष कार्यक्रम एवं प्रशासन ने किया। इस मौके पर वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनके आदर्शों पर चलकर समाज सेवा करने का संकल्प दोहराया। महासचिव सुदामा प्रसाद ने संचालन किया। कार्यक्रम को संबोधित मुख्यतः डॉक्टर प्रमोद, संतोष त्रिपाठी, राजेश सिंह रियाजुद्दीन राईनी श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में अनिल सिंह अन्नू ने ने कहा आजाद देश की जनता के लिए जो पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया है वह दूसरा नहीं कर सकता। आज के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के बराबर पंडित नेहरू ने अंग्रेजों की लड़ाई में जेल में रहे। और जब देश आजाद हुआ देश का पहला प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। उस समय में देश में एक सुई तक नहीं बनती थी पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसरो बनाया गेल और भेल बनाए, आईआईटी बनाए और तमाम संस्थाओं का स्थापना किया, जिसकी राह पर चलकर आज देश अग्रणी देश की श्रृंखला में खड़ा हुआ है। भाखड़ा नांगल परियोजना देकर हरित क्रांति को जन्म दिया। आज के प्रधानमंत्री का कोई संबोधन बिना पंडित नेहरू के नाम लिए पूरा नहीं होता पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने जीवन का सारा समय और तमाम संपदा अपनी देश के लिए समर्पित कर दिया आज उनके पूर्ण तिथि पर हम उन्हें शत-शत नमन करते हैं। और आजीवन उनके बताएं रास्ते का अनुकरण कर उस पर चलने का संकल्प लेते हैं। डॉ प्रमोद, सन्तोष त्रिपाठी, राजेश सिंह, रियाजुद्दीन राईनी ने संयुक्त रूप से कहा देश को आजाद करवाने से लेकर देश के लिए जेल काटने से लेकर देश विकसित करने की जो सपना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देखा था और उसके उत्थान ,विकास, देश निर्माण, लोकतंत्र, आधुनिक भारत की स्थापना के जो सपने देखे थे उसी कड़ी में हम आज आगे बढ़ रहे हैं। हम उन्हें शत-शत नमन करते हैं इस अवसर पर मुख्य रूप से दिवाकर त्रिपाठी, अकरम अली सिद्दीकी, शौकत अली, सुदामा प्रसाद, राजेश सिंह रुक्मीना देवी, आशा देवी, राहुल गौतम, रुदल गौतम, बनारसी गौतम आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने अल्मोड़ा में एसडीजी अचीवर्स अवार्ड कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में एसडीजी अचीवर्स अवार्ड कार्यक्रम में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले 32 लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर अग्रगामी 3.0 पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कही कि सतत विकास केवल वर्तमान की आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, समृद्ध और संतुलित भविष्य का संकल्प भी है। हमारी सरकार प्रदेश में इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय के साथ कार्य कर रही है, ताकि विकास की गति भी बनी रहे और प्रकृति का संतुलन भी सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ह्यग्रॉस एनवायरमेंट प्रोडक्ट इंडेक्स (जीईपी)ह्ल लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

लोहियाहेड हेलीपैड पर जनता व जनप्रतिनिधियों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने लोहियाहेड हेलीपैड (ऊधमसिंह नगर) पर जनता व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनकर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए जनता की समस्याओं का शीघ्रता से समाधान किया जाए। उन्होंने किसानों को खाद उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

माफिया की मुराद पूरी करने के लिए एमवीडीए की 'हाई कोर्ट' को सीधी चुनौती, 'मन्नत रेजीडेंसी' की सील खोली

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिस सरकारी जमीन को माफिया के कब्जे से मुक्त कराने के लिए सत्ताधारी दल भाजपा के ही एक पार्षद ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की हुई है, उससे जुड़े हाउसिंग प्रोजक्ट 'मन्नत रेजीडेंसी' की बीती 22 मई को मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने न सिर्फ सील खोल दी बल्कि ये कहते हुए क्लीन चिट भी दे दी कि अब कोई विवाद शेष नहीं है जबकि इलाहाबाद हाई कोर्ट में यह पीआईएल अब भी लंबित है और इसका स्टेटस हाई कोर्ट की वेबसाइट पर जाकर कोई भी चेक कर सकता है।

इस संबंध में विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह से जब जानकारी की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि 'मन्नत रेजीडेंसी' की सील खोल दी गई है क्योंकि विभिन्न विभागों से ऐसी जानकारी हमें प्राप्त हुई थी। उनके अनुसार 'मन्नत रेजीडेंसी' को लेकर अब मथुरा-वृंदावन नगर निगम को भी कोई आपत्ति नहीं है।

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह ने इस बावत क्या-क्या कहा-सचिव विकास प्राधिकरण आशीष कुमार सिंह के कथन से स्पष्ट होता है कि उन्हें इस पूरे प्रकरण और इसे लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित जनहित याचिका की पूरी जानकारी थी, बावजूद इसके उन्होंने ये दुस्साहस करके हाई कोर्ट को सीधी चुनौती दी है। गौरतलब है कि मथुरा के पॉश एरिया मसानी लिंक रोड पर जहां मन्नत रेजीडेंसी खड़ी की जा रही है, वहां बाकायदा कभी मथुरा-वृंदावन नगर निगम के बोर्ड लगे हुए थे और उन पर चेतावनी भी दर्ज थी, किंतु माफिया ने नगर निगम की जमीन कब्जाने के लिए इन बोर्डों को 'जमींदोज' कर दिया ताकि आगे कोई उंगली न उठा सके। ये फोटो इसकी गवाही दे सकते हैं।

सचिव विकास प्राधिकरण ने इतनी बड़ी हिमाकत क्यों और कैसे की होगी, इसका अंदाज हर वो व्यक्ति लगा सकता है जिसका कभी किसी मामले में इस विभाग से वास्ता पड़ा होगा। यही नहीं, जिनका वास्ता न भी पड़ा हो, वो भी मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की कारगुजारियों से भलीभांति वाकिफ रहते हैं क्योंकि भ्रष्टाचार इस विभाग की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग जो है।

सचिव आशीष कुमार सिंह ने ये सारा खेल यूं ही नहीं खेला। वो जानते हैं कि यूपी का मथुरा एक ऐसा जिला है जहां उनके पूर्ववर्ती अधिकारियों ने भी खूब मनमानी की है, लेकिन उनमें से आज तक किसी का कुछ नहीं बिगड़ा। इसके ठीक उलट उनमें से कुछ अधिकारी तो आज उनके बॉस बने बैठे हैं।

हो सकता है कि आशीष कुमार सिंह ने उन्हीं से प्राप्त 'फीडबैक' के आधार पर इतना खुलकर खेलने की हिम्मत जुटा ली हो और इलाहाबाद हाई कोर्ट को सीधी चुनौती दे डाली लेकिन जरूरी नहीं कि यदि पूर्ववर्तियों का दांव सीधा पड़ गया तो अब भी यथास्थिति कायम रहेगी।

इस बार दांव उल्टा पड़ जाने की पूरी संभावना है, वो इसलिए कि याचिकाकर्ता ब्रजेश खरे ने इस मामले में अदालत की अवमानना का केस फाइल करने की पूरी तैयारी कर ली है। जहां तक सवाल है उसके लिए जरूरी दस्तावेजों का तो वो खुद सचिव ने अपने हस्ताक्षरित पत्र तथा मीडिया को ऑन कैमरा दिए गए बयान से उसकी पूर्ति कर दी है।

एसपी देहात ने 16 हाईटेक पल्सर बाइकों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मथुरा(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस विभाग को हाईटेक पल्सर बाइकें उपलब्ध कराई गई हैं। बुधवार को एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने हरी झंडी दिखाकर 16 हाईटेक पल्सर बाइकों को रवाना किया। ये बाइकें जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्रों में तैनात की गई हैं ताकि किसी भी घटना की सूचना पर पुलिस महज 4 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता कानून व्यवस्था को मजबूत और चुस्त–दुरुस्त बनाए रखना है। इसी उद्देश्य से आधुनिक सुविधाओं से लैस इन बाइकों को जनपद में उपलब्ध कराया गया है। हाईटेक पल्सर बाइक में मेडिकल किट, कैमरा, पानी सहित कई जरूरी सुविधाएं दी गई हैं। साथ ही इन्हें यूपी–112 सेवा से भी जोड़ा गया है, जिससे आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता घटनास्थल तक पहुंच सके। बताया गया कि इन बाइकों के माध्यम से पुलिसकर्मियों की गतिविधियों और घटनास्थल तक पहुंचने के समय की भी निगरानी की जाएगी। पुलिस का मानना है कि इससे अपराधों पर तेजी से नियंत्रण लगाने और आम जनता को त्वरित राहत देने में मदद मिलेगी।

भारतीय जनता पार्टी के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान का किया गया उद्घाटन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान का उद्घाटन प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य द्वारा किया गया ! इस दौरान सर्व प्रथम दीनदयाल उपाध्याय , श्यामा प्रसाद मुखर्जी व भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि के बाद वंदेमातरम का गायन किया गया प्रथम सत्र की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई जी ने की वो सत्र की प्रस्तावना रखी गई प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य जी ने प्रथम सत्र में अपने संबोधन में 'भाजपा की वैचारिक यात्रा' विषय पर विस्तार से कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। अपने संबोधन में अमरपाल मौर्य जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र प्रथम की विचारधारा पर आधारित एक वैचारिक आंदोलन है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर आज तक पार्टी ने राष्ट्रवाद, सुशासन, सांस्कृतिक गौरव एवं अंत्योदय के सिद्धांतों को आधार बनाकर कार्य किया है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को भाजपा की आत्मा बताते हुए कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना है। भाजपा ने सदैव गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया है। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प ने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाया है। उन्होंने कहा कि आज देश भ्रष्टाचार मुक्त शासन, मजबूत नेतृत्व और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकताओं को वैचारिक रूप से मजबूत करना और संगठन के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना है। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता महानगर के पूर्व संयोजक अमर गुप्ता जी द्वारा की गई सत्र में प्रदेश संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ डी.के. शर्मा जी ने 'बूथ प्रबंधन' विषय पर कार्यकताओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति का सबसे मजबूत आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता है और प्रत्येक चुनाव में बूथ की मजबूती ही विजय का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि बूथ को केवल चुनाव तक सीमित न रखें, बल्कि वर्षभर जनता के बीच रहकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें।

उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष, बीएलए, पन्ना प्रमुख एवं शक्ति केंद्र की टीम संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही संगठन निरंतर मजबूत होता है।डी.के. शर्मा ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनावी कार्यकर्ता नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी है।

उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बूथ को 'सशक्त बूथ' बनाने का संकल्प लें प्रशिक्षण वर्ग के तृतीय सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा जी ने की सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर पाठक जी ने 'पार्टी का इतिहास एवं विकास' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विस्तार एवं राष्ट्रहित के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना और अंत्योदय की विचारधारा पर आधारित एक जनआंदोलन है। पार्टी की नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान विचारकों ने रखी, जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखा।

बृज बहादुर पाठक जी ने कहा कि भारतीय जनसंघ से प्रारंभ हुई यह यात्रा आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने सदैव लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और गरीब कल्याण को अपनी प्राथमिकता बनाया है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है तथा गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में सुशासन, सुरक्षा और विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी के इतिहास, विचारधारा और संघर्ष की गाथा को जन-जन तक पहुंचाएं तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करें। चौथे सत्र की अध्यक्षता पूर्व महानगर के कोषाध्यक्ष नरेश धनकर जी ने की सत्र में आलोक वर्मा (प्रवक्ता) जी व अम्बर स्वामी क्षेत्रीय संयोजक ,(आइटी) ने मीडिया वो सोशल मीडिया प्रबंधन के विषय पर विस्तार से बताया

पंचम सत्र की अध्यक्षता पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश जैन जी ने की सत्र में भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी जो कि प्रशिक्षण अभियान भाजपा पश्चिम क्षेत्र के सह संयोजक भी है उन्होंने दीवार लेखन सोशल मीडिया व डाटा प्रबंधन व अन्य विषयों पर चर्चा करते हुए प्रशिक्षण वर्ग के विषय पर भी विस्तार से कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया । छठा सत्र की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारणी सदस्य प्रेम पाल कटारिया जी ने की सत्र में उपाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी जी ने विचार परिवार पर विस्तार के कार्यकताओं को बताया

सातवें सत्र की अध्यक्षता प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा नूतन शर्मा जी ने की सत्र में पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा जी ने कार्य पद्धति के विषय पर विस्तार से चर्चा की । प्रशिक्षण वर्ग के संयोजक पूर्व महानगर अध्यक्ष अमित गगनेजा जी व संचालन समिति के प्रमुख पूर्व महापौर संजीव वालिया जी रहे । वर्ग नगर विधायक राजीव गुंबर , पूर्व विधायक जगपाल सिंह , पूर्व मंत्री संजय गर्ग रमा गुप्ता ,वर्षा चोपड़ा , नीलू राणा , किशोर शर्मा सरदार सुपनीत सिंह , योग चुग मनोज ठाकुर , संदीप रावत ,ठाठ सिंह , विजय गुप्ता , राजकुमार कालरा ,नीरज माहेश्वरी , अनैश शर्मा , सुनील गुप्ता , नीरज ठकराल मानवेंद्र भारद्वाज , विशाल दुवा , बबीता सैनी , कंचन धवन , विपिन शर्मा , नितिन परमार सहित प्रशिक्षण वर्ग में सभी जनप्रतिनिधि ,महानगर पदाधिकारी ,कार्यकारणी ,मंडल अध्यक्ष ,मोर्चा प्रकोष्ठों , मीडिया सोशल मीडिया आई टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

पेंशन, जीपीएफ, पदोन्नति व चयन वेतनमान के लंबित प्रकरणों का तुरंत निस्तारण हो-संजय द्विवेदी

जिला विद्यालय निरीक्षक व शिक्षक संघ के नेताओं के मध्य वार्ता संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शिक्षक समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिला विद्यालय निरीक्षक हरीशचंद्र नाथ से मिला। प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि पदोन्नति, चयन वेतनमान पेंशन, जीपीएफ के लंबित प्रकरणों का तुरंत निस्तारण किया जाय। मई माह का वेतन बढ़े हुए मंहगाई भत्ते के साथ दिया जाए। जनगणना में प्रधानाचार्यों की ड्यूटी लगाये जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहाकि बखिरा इंटर कॉलेज के लिपिक पदोन्नति प्रकरण, निघुरी व हीरालाल इंटर कॉलेज खलीलाबाद के चयन वेतनमान के लंबित प्रकरण का तुरंत निस्तारण किया जाए। प्रत्येक परीक्षाओं में माध्यमिक शिक्षकों की कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी लगाये जाने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती है, भविष्य में इसका ध्यान रखा जाए। प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत चयनित विद्यालयों के निर्माण से संबंधित द्वितीय किस्त की धनराशि को जारी किया जाय। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत वित्तविहीन कक्षाओं का खाता प्रबंधक प्रधानाचार्य के संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित कराया जाय। वार्ता के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों / कर्मचारियों के वेतन से एनपीएस के कटौती की धनराशि माह जून 2016 व मई 2018 स्थानान्तरण के फलस्वरूप तकनीकी कारणों से सम्बन्धित शिक्षकों / कर्मचारियों के एनपीएस खाते में स्थानान्तरित नही हो सका और ट्रान्जेक्शन फेल्ड हो जाने के कारण अब तक पैसा एनपीएस के प्रान अकाउंट में नहीं जमा हो पाया था। जिसको लेकर शिक्षक संघ लंबे समय से संघर्ष कर रहा था। उक्त धनराशि को कोषागार से शिक्षकों के खाते में हस्तांतरित कर दी गई है। इस दौरान जिलाध्यक्ष महेश राम, प्रधानाचार्य विनोद कुमार चौरसिया, अरशद जलाल, महेश्वर सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हैंसर में जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एआरपी उमेश चंद्र मिश्र सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शिक्षा क्षेत्र हैंसर बाजार में कार्यरत एआरपी उमेश चंद्र मिश्र को जनगणना के अंतर्गत एचएलबी संख्या 0675 का कार्य तहसील क्षेत्र में सर्वप्रथम पूर्ण करने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी हैंसर बाजार ज्ञान चंद्र मिश्र द्वारा ब्लॉक संसाधन केंद्र हैंसर बाजार पर उन्हें शॉल, बुके, डायरी एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी ज्ञान चंद्र मिश्र ने कहा कि परिषद के अध्यापक द्वारा तहसील क्षेत्र में सबसे पहले जनगणना कार्य पूर्ण करना अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि 'जनगणना से जनकल्याण' महा अभियान में लगे सभी अध्यापक एवं कर्मचारी इसी प्रकार मेहनत, लगन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को सफल बनाया जा सके। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र हैंसर बाजार प्राथमिक शिक्षक संघ के संयोजक राजकुमार शुक्ल, मंत्री रामकरन पासवान, केशव प्रसाद दूबे, संत कुमार मिश्र, अनुराग दूबे, संजय मिश्र, आदित्य शुक्ल, राजकुमार गुप्ता, विनोद कुमार सुमन, निर्मल स्वरूप, सुनील विश्वकर्मा, गणेश यादव, विजय गुप्ता, अनिल कुमार, अंकित मौर्य, दिग्विजय पाण्डेय, विकास कुमार, उमेश कुमार, कृष्ण मुरारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगामी त्योहारों को लेकर डीएम व एसपी ने ग्राम मुसहरा में की पीस कमेटी बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने आगामी त्योहार बकरीद के दृष्टिगत बुद्धवार को थाना धर्मसिंहवा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मुसहरा में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की तथा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पीस कमेटी की बैठक में ग्राम प्रधान, संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक के दौरान उपस्थित लोगों से त्योहार के दौरान आने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित लोगों से अपील की कि सभी लोग आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाएं तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

साथ ही यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध अथवा आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बैठक में उपस्थित लोगों को सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने हेतु जागरूक करते हुए कहा गया कि कोई भी व्यक्ति ऐसा पोस्ट, टिप्पणी अथवा भड़काऊ सामग्री साझा न करे जिससे किसी धर्म अथवा समुदाय की भावनाएं आहत हों। साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। तत्पश्चात अधिकारियों द्वारा ग्राम मुसहरा में पैदल गश्त कर आमजन को सुरक्षा का एहसास कराया गया तथा त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान उपजिलाधिकारी मेंहदावल अरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल श्री सर्वदवन सिंह, थानाध्यक्ष धर्मसिंहवा श्री सुरेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक पीआरओ पी०के० गुप्ता सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ऑप्रेशन सवेरा नशे के अधंकार से जीवन के उजाले की और चलाए जा रहे अभियान के तहत एक चरस तस्कर को गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में ऑप्रेशन सवेरा मिशन के तहत नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की और प्रोग्राम के तहत सहारनपुर पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशन में नसीले पदार्थो के तस्करी की रोकथाम व नशे के कारोबार में शामिल अपराधियों की गिरफ़्तारी थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह राणा की अगुवाई मे फतेहपुर पुलिस टीम के दुवारा आज दिनांक 27/05/2026 को चैकिंग के दौरान एक नशा तस्कर अभियुक्त भूषण पुत्र राजपाल निवासी ग्राम फरकपुर नवादा थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर उम्र करीब 27 वर्ष को मुजफ्फराबाद से एसङ्बीङ्आई बैंक के सामने जाने वाले कच्चे रास्ते पर आम के बाग से 20,25 कदम की दुरी पर समय करीब 11 बजे गिरफ्तार किया गया अभियुक्त के कब्जे से कुल 265 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई हैं गिरफ़्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना फतेहपुर पर धारा 8/20 एनङ्डी ङ्पीङ्एस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया हैं गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर समय से न्यायालय में पेश किया गया हैं।

देहरादून रोड फर्नीचर मार्केट में भीषण आग, चार शोरूम जलकर राख

दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया गया आग पर काबू, कॉलोनी में मची अफरा-तफरी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। देहरादून रोड स्थित फर्नीचर मार्केट में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से चार फर्नीचर शोरूम जलकर राख हो गए। आग की शुरूआत एक लकड़ी के गोदाम से हुई, जहां पहले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास के शोरूमों को भी अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि करीब 500 मीटर दूर से धुएं का गुबार और ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई दे रही थीं। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग की आठ गाड़ियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लकड़ी और फर्नीचर का भारी स्टॉक होने के कारण आग तेजी से फैलती रही। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जानकारी के अनुसार सबसे पहले आग गंगा फर्नीचर में लगी, जिसके बाद आग फैलकर शक्ति फर्नीचर, अमन फर्नीचर और नमन फर्नीचर तक पहुंच गई। अधिकांश शोरूमों के ऊपरी हिस्से आग की चपेट में आए, जबकि शक्ति फर्नीचर के गोदाम तक भी आग पहुंच गई। आग का असर शोरूमों के पीछे स्थित खान आलमपुरा कॉलोनी तक भी पहुंचा। आग के दौरान एक दीवार गिरने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। एहतियात के तौर पर लोगों ने अपने घरों से गैस सिलेंडर बाहर निकाल लिए और सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलने पर शोरूम संचालक मौके पर पहुंचे और शटर खोलकर नीचे रखा सामान बाहर निकालने का प्रयास किया, ताकि नुकसान कम किया जा सके। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को इटवा थाना पुलिस ने बुधवार को टिकरिया पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत यह सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी (सीओ) इटवा पवन प्रकाश के कुशल निर्देशन में इटवा थाना प्रभारी संजय कुमार मिश्र की अगुवाई में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 096/2026 धारा 69/352 (बीएनएस) के तहत नामजद अभियुक्त जाहिर पुत्र जमीरूल्लाह को टिकरिया पुल के पास से दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी पकडिहवा (थाना ढेवरुआ) का निवासी बताया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक (एसआई) हेमराज वर्मा और हेड कांस्टेबल उपेंद्र निषाद शामिल रहे। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

तेजी व लापरवाही से वाहन चलाकर बाइक सवारों को मारी थी टक्कर

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद की थाना जनकपुरी पुलिस ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाकर टक्कर मारने, दो लोगों को गंभीर रूप से घायल करने और उपचार के दौरान एक युवक की मौत के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 19 मार्च 2026 को वादी विनोद पुत्र राजपाल (निवासी चकहरेटी, जनता रोड, थाना जनकपुरी, सहारनपुर) ने थाने में एक लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि एक महिन्द्रा कंपनी के छोटा हाथी (ट्रक) संख्या यूपी-11-डीटी-4382 के अज्ञात चालक ने अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उनके पुत्र सुमित की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी-11-सीआर-1341 में जोरदार टक्कर मार दी थी। इस भीषण सड़क हादसे में वादी का पुत्र सुमित और मोटरसाइकिल चला रहा उसका साथी अमरीश गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना में मोटरसाइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल सुमित की मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में थाना जनकपुरी पर मुकदमा अपराध संख्या 55/26 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर ने इस संवेदनशील घटना का संज्ञान लेते हुए अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के दिशा-निर्देश जारी किए थे। पुलिस अधीक्षक नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना जनकपुरी के नेतृत्व में विवेचक उप-निरीक्षक रणपाल सिंह ने मामले की गहनता से जांच की। विवेचना के दौरान पूर्व की धाराओं का लोप करते हुए मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 336(2), 338, 340(2) और 229(1) की वृद्धि की गई। पुलिस द्वारा गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आज मुकदमे में प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त मनीष गुप्ता पुत्र श्रवण गुप्ता (निवासी राम विहार कॉलोनी, भूतेश्वर मंदिर रोड, थाना मंडी, जिला सहारनपुर) को पराग डेयरी के पास स्थित ग्लोबल इंजीनियरिंग वर्क्स (महल पुरम, जनता रोड) पर विपिन धीमान की फैक्ट्री से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उसे जेल भेज दिया है।

पुलिस ने धोखाधड़ी के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना सदर बाजार पुलिस ने धोखाधड़ी के वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बता दे कि दिनांक 26.03.2022 को राजेन्द्र कुमार पुत्र पलटूसिंह निवासी ग्राम छाप्पुर थाना नकुड जिला सहारनपुर ने थाना सदर बाजार पुलिस को लिखित तहरीर देकर अरूण जैन पुत्र महावीर प्रसाद जैन, दीपा जैन पत्नी अरूण जैन निवासीगण मकान नंबर 25 डी गिल कालोनी थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर, सुखविन्द्र सिंह पुत्र सरदार गुरदेव सिंह, अमन दीप कौर पत्नी सुखविन्द्र सिंह निवासीगण मौहल्ला शारदा नगर निकट आईटीसी रोड साहब जी नगर थाना सदर बाजार सहारनपुर पर उसके साथ धोखाधडी कर षडयन्त्र रचकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने के सम्बन्ध में मामला पंजीकृत कराया था। पुलिस अधीक्षक नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक सदर बाजार के कुशल नेतृत्व में आज थाना सदर बाजार पुलिस टीम ने मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त सुखविंदर पुत्र सरदार गुरदेव सिंह निवासी मौ0 शारदा नगर निकट आईटीसी रोड साहबजी नगर थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर को मसकन डिविजन द्वितीय लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया है।

विश्व सनस्क्रीन दिवस पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में त्वचा संरक्षण एवं निवारक त्वचा रोग जागरूकता अभियान का आयोजन

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में उत्तर प्रदेश सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के त्वचा रोग विभाग द्वारा विश्व सनस्क्रीन दिवस के अवसर पर अत्यंत उत्साह एवं शैक्षणिक गरिमा के साथ एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाव, त्वचा स्वास्थ्य तथा निवारक त्वचा रोग देखभाल के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम डॉ.दीप्ति सक्सेना, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,त्वचा रोग विभाग, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स, इंटर्न्स, मेडिकल विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम का आयोजन डॉ. जे. रामचंद्रन,संस्थापक एवं चेयरमैन, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस तथा रम्या रामचंद्रन, उपाध्यक्ष, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा, शैक्षणिक विकास एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उनकी दूरदर्शी सोच एवं निरंतर सहयोग ने संस्थान में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तथा जन-जागरूकता अभियानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रबंधन टीम का भी विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनमें डॉ. बरखा गुप्ता, प्राचार्य, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; डॉ. मेजर जनरल सी.एस. आहलूवालिया, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, सीनियर एडवाइजर, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; एन. वर्धराजन, जनरल मैनेजर,सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज;तथा रघुवर दत्त, निदेशक, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामिल रहे। इनके सतत प्रशासनिक सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सका।इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पराबैंगनी (यूवी) किरणों के लंबे समय तक संपर्क से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा सनस्क्रीन के नियमित उपयोग को एक महत्वपूर्ण निवारक स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों एवं त्वचा रोग विशेषज्ञों ने मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद करते हुए बताया कि लंबे समय तक बिना सुरक्षा के धूप में रहने से समय से पहले त्वचा में झुर्रियां आना, टैनिंग, पिगमेंटेशन, सनबर्न, त्वचा के रंग में असमानता, फोटोसेंसिटिविटी तथा दीर्घकाल में त्वचा कैंसर जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ.दीप्ति सक्सेना ने कहा कि सनस्क्रीन केवल सौंदर्य प्रसाधन नहीं बल्कि त्वचा को फोटो डैमेज एवं पर्यावरणीय प्रभावों से बचाने वाला एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय सुरक्षा उपाय है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में, जहां लोग वर्षभर लंबे समय तक सूर्य के संपर्क में रहते हैं, वहां सन प्रोटेक्शन के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स द्वारा मरीजों एवं अस्पताल में आने वाले लोगों के लिए इंटरैक्टिव काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में सनस्क्रीन लगाने की सही विधि, उपयुक्त एसपीएफ (रढऋ) का चयन तथा बाहर रहने के दौरान समय-समय पर सनस्क्रीन दोबारा लगाने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने सनस्क्रीन से जुड़ी सामान्य भ्रांतियों को भी दूर किया तथा बताया कि सनस्क्रीन का उपयोग हर मौसम एवं बादलों वाले दिनों में भी नियमित रूप से किया जाना चाहिए।इस अवसर पर त्वचा रोग विभाग के द्वारा अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं परिजनों के लिए विशेष सनस्क्रीन वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। लोगों को निःशुल्क सनस्क्रीन सैंपल वितरित किए गए ताकि वे त्वचा सुरक्षा के महत्व को समझें तथा स्वस्थ त्वचा बनाए रखने के लिए सनस्क्रीन के नियमित उपयोग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।जागरूकता अभियान के दौरान लोगों को सूर्य से बचाव के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की भी सलाह दी गई। प्रतिभागियों को सुरक्षात्मक कपड़े पहनने, धूप का चश्मा, छाता एवं टोपी का उपयोग करने तथा दोपहर के समय अत्यधिक धूप में जाने से बचने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वस्थ त्वचा के लिए दैनिक जीवन में सही स्किनकेयर आदतें अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान त्वचा संरक्षण से संबंधित जानकारीपूर्ण सामग्री एवं जागरूकता संदेश भी वितरित किए गए। यह आयोजन सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता, निवारक चिकित्सा, रोगी शिक्षा एवं जनस्वास्थ्य सेवाओं के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। संस्थान समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, जिनका उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। अंत में त्वचा रोग विभाग द्वारा सभी संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों का कार्यक्रम को सफल एवं प्रभावशाली बनाने में सक्रिय योगदान हेतु आभार व्यक्त किया गया।

पर्व: सुबह 7: 30बजे ईदगाह में होगी नमाज, गुलजार हुए बाजार

आज ईदगाह के साथ मस्जिदों में भी अदा होगी नमाज, तैयारियां पूरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। ईद उल अजहा का त्यौहार आज गुरुवार को पूरे देश में मनाया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई है। पशुओं की खरीद-फरोख्त देर रात तक होती रही। बाजारों में भी काफी चहल-पहल दिखाई थी। लोग खरीदारी के लिए उमड़े। ईद के पर्व को लेकर बाजारों में भी काफी हलचल देखने को मिली। मुख्यतः गारमेंट्स व किराना की दुकानों सहित इमली बाजार में काफी भीड़ रही। नगर के सभी स्थानों पर बाजारों में रौनक देखी जा सकती है। गर्मी होने के बाद ही बाजारों में रौनक छाई हुई है। देर रात के समय बाजार में काफी चहल-पहल दिखाई दे रही है। बाजार में महंगाई का असर देखने को मिला है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार हर चीज महंगी है। सुरक्षा की दृष्टि से नगर के मुख्य बाजार में पुलिस तैनात कर दी गई है। वीरवार की सुबह 7:30 बजे ईदगाह में ईद की नमाज अदा की जाएगी। बुलंदशहर रोड स्थित ईदगाह पर मौलाना मुफ्ती मोहम्मद आरिफ साहब नमाज अदा कर कराएंगे। करीरा वाली रोड स्थित ईदगाह पर मौलाना अकील अहमद साहब नमाज अदा कराएंगे। लोगों की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा रोड पर विभिन्न राजनीतिक दलो नगरपालिका के कैंप लगाए गए हैं। नगर पालिका परिषद अपने नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। ईदगाह और मस्जिदों के आसपास सफाई और चूना लगाने के निर्देश दिए। नगर पालिका ने ईद के मौके पर अधिक पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की है। इसके अलावा पशुओं के अपशिटो के निस्तारण के लिए भी सफाई कर्मियों को लगाया गया है। बुधवार की सुबह इमली बाजार सरार्फा बाजार सहित अन्य स्थानों पर ईद के त्यौहार के लिए वाहनों का आवागमन बढ़ गया। बाजारों में रेडीमेड की दुकानों पर लोगों की कतारें लगी रही। वही परचून की दुकानों पर भी लोग खरीदारी करते दिखाई दिए। ईद पर बनने वाले विशेष शीर के लिए लोगों ने बाजार में सूखे मेवों की काफी बिक्री रही। ईद उल अजहा का त्यौहार 28 मई को पूरे देश में एक साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए लोगों ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है।

ईदगाह में 7:30 बजे अदा होगी नमाज

मौलाना मुफ्ती मोहम्मद आरिफ ने लोगों से अपील की है कि सड़कों पर नमाज अदा नहीं होगी। नगर की बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा होगी। ईदगाह में सुबह 7 :30 बजे ईद उल अजहा की नमाज होगी। साथ ही अन्य मस्जिदों में भी नमाज का समय अलग–अलग निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि खुशी और भाईचारे के साथ ईद उल अजहा का पर्व मनाए।

मांगेराम त्यागी के पहुंचते ही हुआ टोल फ्री गंगा एक्सप्रेस-वे (सदरपुर) पर बने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। मेरठ प्रयागराज टोल पर किसानों से अडानी टोल कर्मियों द्वारा ट्रैक्टर व क्षेत्रीय किसानों से वसूली के विरोध में टोल पर प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी, राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी धर्मेंद्र मलिक, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरिनाम वर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह रंधावा, राष्ट्रीय सचिव चौधरी उम्मेद सिंह (CO) साहब सहित हजारों किसानों ने प्रदर्शन किया ।

जैसे ही वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मॉगेराम त्यागी के पहुंचते ही हुआ टोल फ्री ।जिला अध्यक्ष युवा ठाकुर शैलेंद्र आर्य ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय नेतृत्व का कोई भी आदेश नहीं आएगा जब तक टोल को फ्री रखा जाएगा ।हम हर कुबार्नी देने के लिए तैयार है।

स्याना नगर अध्यक्ष चौधरी अंकुर त्यागी ने कहा कि किसानों का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।अगर टोल का कोई भी कर्मी किसानों से बदतमीजी करेगा उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारी कपीश त्यागी, साजन त्यागी, अद्दू त्यागी, अरविंद शर्मा, कपिल नागर, अराफात नंबरदार, मोनू त्यागी, डालचंद लोधी, गजेंद्र लोधी, इरफान अली (भवन) अनुज त्यागी,मनु चौधरी, कुलदीप चौधरी, जगबीर चौधरी,कारी अब्दुल्ला, राजा कुरैशी, विजय शर्मा, विपिन चौधरी आदि लोग शामिल रहे।

39 यूपी बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने सीखे फायरिंग के गुर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। रज्जू भैया सैनिक स्कूल, खंडवाया में 39 यूपी बटालियन एनसीसी खुर्जा द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को .22 राइफल की खोलने, जोड़ने, साफ-सफाई एवं सुरक्षित फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया। करौरा फायरिंग रेंज पर नायब सूबेदार जय गोपाल सिंह ने कैडेट्स को फायरिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं सटीक निशाने के लिए मजबूत पकड़, सही शिस्त और नियंत्रित ट्रिगर ऑपरेशन की जानकारी दी। शिविर में प्रतिदिन योग एवं ड्रिल का अभ्यास भी कराया जा रहा है, जिसमें कैडेट्स उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग ले रहे हैं।

थाना मिजार्पुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर गौकश सलमान गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद मे अपराध नियंत्रण और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'जीरो टॉलरेंस' अभियान के तहत थाना मिजार्पुर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद इलाके के शातिर हिस्ट्रीशीटर और गौकश सलमान को घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

चेकिंग के दौरान पुलिस पर फायरिंग

आज मिजार्पुर के थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ कासमपुर बिजली घर के पास विकासनगर-सहारनपुर रोड पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का इशारा किया परन्तु बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी और पाडली रजवाहे की तरफ भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों की मोटरसाइकिल कच्ची चकरोड पर फिसल कर गिर गई, जिसके बाद उन्होंने आम के बाग से दोबारा पुलिस पर गोलियां भी चलाईं। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त सलमान निवासी रायपुर के दाएं पैर में गोली लगी और पुलिस द्वारा उसे दबोच लिया गया। घायल बदमाश को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरार दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार कॉम्बिंग कर रही है। थाना मिजार्पुर पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार सलमान थाना मिजार्पुर का हिस्ट्रीशीटर है, जिस पर जिले के विभिन्न थानों में गौकशी, लूट और चोरी के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने साईबर फ्रॉड के प्रति सतर्कता का किया प्रसार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने ग्राहकों को साईबर फ्रॉड के बढ़ते खतरे के प्रति जागरूक किया। बिजनेस ऑपरेशंस के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर गणेश अनंतनारायण ने कहा कि भारत की डिजिटल बैंकिंग क्रांति ने लाखों लोगों तक वित्तीय पहुंच का विस्तार किया है, लेकिन साथ ही इसने साइबर अपराधियों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। बताया कि धोखाधड़ी के तरीके विकसित होते जा रहे हैं और खासकर पहली बार बैंकिंग कर रहे एवं ग्रामीण लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं, ऐसे में सक्रिय जागरूकता और जिम्मेदार बैंकिंग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ग्राहक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करके डिजिटल बैंकिंग के वातावरण में उभरते हुए जोखिमों की रोकथाम को लगातार पुख्ता कर रहा है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक को मालूम है कि उनके ग्राहक अपनी मातृभाषा में जानकारी पाना और समझना चाहते हैं, इसलिए बैंक ने क्षेत्रीय भाषा में संदेश देकर जागरुकता बढ़ाना शुरू किया है, ताकि धोखाधड़ी की रोकथाम का मार्गदर्शन यूजर्स उसी भाषा में प्राप्त कर सकें, जिसे वो सबसे अच्छी तरह समझते हैं।

Payments Bank

ईद पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, अधिकारियों ने किया फ्लैग मार्च

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। आगामी ईद-उल-अजहा के त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जहांगीराबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आ रहा है। त्योहार के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। अनूपशहर क्षेत्राधिकारी (CO) विकास प्रताप सिंह चौहान और जहांगीराबाद के इंस्पेक्टर सुदेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने कस्बे के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। यह गश्त लाल कुआं क्षेत्र से शुरू होकर मुख्य बाजारों से होते हुए जामा मस्जिद तक पहुंची।

इस दौरान अधिकारियों ने ईदगाह पहुंचकर नमाज स्थल और आसपास की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं दूसरी तरफ सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाने और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इंस्पेक्टर सुदेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष फ्लैग मार्च निकाला गया।

इसमें भारी संख्या में पुलिस बल और दरोगा बाइक व पुलिस फ्लीट के साथ शामिल हुए। यह काफिला जहांगीराबाद नगर के अलावा सांखनी, जलीलपुर, कारौंजी, रिवाडा, बदरखा और सिद्धनग्ला सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरा।

पुलिस टीम ने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें त्योहार भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। अधिकारियों ने आमजन को त्योहार के दौरान निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए कहा है। सीओ विकास प्रताप सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी न दी जाए और खुले में कुबार्नी न करें। साफ-सफाई और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें।

यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें। पुलिस प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस सुरक्षा अभियान के दौरान कस्बा इंचार्ज अजय सिंह, सब इंस्पेक्टर अनुज गंगवार और ऋषिपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण करते डीएम एवं उपस्थित अधिकारी

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम में संरक्षित ईवीएम मशीनों की सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अभिषेक सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भरत राम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवापुरी में बजरंग बली का हुआ वार्षिक श्रृंगार, भंडारा आयोजित

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद सेवापुरी के बीरमपुर गांव स्थित प्राचीन मंदिर में बजरंग बली का 25 वां वार्षिक श्रृंगार किया गया। बजरंग बली को भक्तों ने दुग्ध स्नान कराने के बाद पूर्ण रूप सिंदूर लगाकर नूतन वस्त्र एवं आभूषण धारण कराया।बेला व गुलाब समेत आकर्षक फूलों से श्रृंगार हुआ। मंदिर को विद्युत लाइटों से सजाया गया था। बजरंग बली पाठ के बाद महाआरती किया गया।रामायण पाठ के समापन पर बुधवार की सायंकाल भजन संध्या के साथ ही वृहद भंडारा का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया।भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने पहुंच प्रसाद ग्रहण किया।अतिथियों का स्वागत शीतला प्रसाद सिंह व सुजीत सिंह (पत्रकार) ने किया। भंडारा में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, विनय सिंह 'हिटलर', शैलेन्द्र सिंह 'पिन्टू' (पत्रकार), अरुण सिंह, लालचन, छेदी सिंह, रामदुलार सिंह, विशाल, गुंजन सिंह, प्रदीप फौजी, राजन सिंह, बबलू, दिनेश सिंह (बल्ली), सभाजीत यादव समेत सैकड़ो भक्तजन व ग्रामीण उपस्थित रहे।

आर0बी0 एस0के0 के चिकित्सा अधिकारियों को पढ़ाया टी0बी0 का पाठ टी0बी0 मुक्त भारत की कराई शपथ

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में प्रधानमंत्री जी के टी 0बी0 मुक्त भारत करने के सपने को साकार करने हेतु जिलाधिकारी कविता मीना के निर्देशानुसार एवम् मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ वेद प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में जनपद में सतत प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में आज जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय सभागार में आर 0बी 0एस 0के 0 चिकित्सा अधिकारियों की एक सी 0एम ई 0(सतत चिकित्सा शिक्षा)का आयोजन किया गया प्रशिक्षण शिविर के आयोजन के अवसर पर जिला जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह एवम्-उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ कृष्ण कुमार शर्मा के द्वारा आर 0बी 0एस 0के के चिकित्सा अधिकारियों को क्षय रोग के लक्षण उपचार निदान के विषय में विस्तार से पढ़ाया गया डॉ राजेश सिंह ने बताया कि टी 0बी0 की पहचान उसके लक्षणों के द्वारा आसानी से हो सकती हैं यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक से खांसी,खांसी के साथ बलगम आना,बलगम में खून आना, भूख कम लगना, वजन कम होना, रात में पसीना आना, आदि लक्षण दिखाई दे तो उसको तुरन्त अपने ब्लॉक के नजदीकी अस्पताल में जाकर अपनी जाँच कराने के लिए भेजना चाहिए एवम् यदि बीमारी आती है तो आपके के द्वारा मरीज के इलाज आरम्भ कराने में सहयोग प्रदान करना चाहिए एवम् मरीज को सलाह देनी चाहिए कि चिकित्सा अधिकारी की सलाहनुसार उपचार लेना चाहिए इस कार्यक्रम मे आर 0बी 0एस 0के हापुड़ के चिकित्सा अधिकारियों को ने प्रतिभाग किया शिविर में जिला पी 0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी की द्वारा टी 0बी0 मुक्त भारत आंदोलन की जानकारी दी गई कि शिविर में लगभग 30 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने चिकित्सा अधिकारियों को बताया कि यदि आपकी ओ 0पी 0डी 0 में कोई ऐसा व्यक्ति जिस किसी व्यक्ति को खांसी वजन कम होना बुखार होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं तो उनको राजकीय चिकित्सालय जांच के लिए जरूर भेजें ताकि समय पर उनका इलाज किया जा सके यह इलाज पूर्णतया निशुल्क है साथ ही मरीज को पोषण पोटली के लिए 1000 रुपया प्रतिमाह धनराशि भी उसके बैंक खाते में प्रेषित की जाती है ताकि वह अच्छा पौष्टिक आहार ले सके इस कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय के सभी कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

अखिल भारतीय साहित्य मंच मोदीनगर की काव्य गोष्ठी संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। साहित्य, संस्कृति और विचारों की संवाहिका संस्था 'अखिल भारतीय साहित्य मंच, मोदीनगर' के तत्वावधान में एक भव्य एवं गरिमामयी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृष्णा नगर (गली नंबर-2) स्थित वरिष्ठ साहित्यकार श्री देवी शरण 'पश्यक' के निवास स्थान पर आयोजित इस गोष्ठी में नगर के मूर्धन्य रचनाकारों ने अपनी काव्य आहुति देकर शब्द-साधना को नए आयाम दिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेश चंद शर्मा ने की, जबकि मंच का कुशल और ऊर्जस्वित संचालन प्रख्यात कवि श्री दरियाव सिंह राजपूत ने अपने चिरपरिचित अंदाज में किया।

गोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्ष नरेश चंद शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात, मंच की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा शर्मा ने अत्यंत सुमधुर कंठ से माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत कर संपूर्ण वातावरण को मर्यादित और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर कर दिया।

इसके बाद प्रारंभ हुए काव्य-मंच पर कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महासचिव अमित अरोरा ने समकालीन सामाजिक ताने-बाने पर प्रहार करती अपनी बेहद संवेदनशील रचना 'यह कैसा दस्तूर जमाने का' का पाठ किया। उनकी इस प्रस्तुति पर पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उन्होंने खूब वाह-वाही लूटी। अपनी तीखी और मारक व्यंग्य विधा के लिए जाने जाने वाले कवि कपिल बैरागी ने सामाजिक कुरीतियों और विसंगतियों पर करारे प्रहार किए।

उनकी व्यंग्यात्मक कविताओं ने जहाँ एक ओर श्रोताओं को गुदगुदाया, वहीं दूसरी ओर सोचने पर भी विवश किया।

देवी शरण 'पश्यक' ने अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक और दार्शनिक रचनाओं के माध्यम से उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को भक्ति रस के सागर में सराबोर कर दिया। उनकी पंक्तियों ने मन को असीम शांति की अनुभूति कराई।

कवि 'ब्रजकण': उन्होंने अपनी विशेष शैली में जैसे ही काव्य पाठ शुरू किया, ऐसा प्रतीत हुआ मानो समूचा परिवेश ब्रज की सोंधी माटी की खुशबू और राधा-कृष्ण के प्रेम-रस से सुवासित हो उठा हो।

विशेष अतिथि के रूप में पधारी श्रीमती कमलेश शर्मा ने हिंदी के लब्धप्रतिष्ठ महाकवि डॉ. कुमार विश्वास की एक कालजयी रचना को अपने विशिष्ट और सुरीले अंदाज में पढ़कर गोष्ठी में समां बांध दिया।

गोष्ठी के अंतिम सोपान में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नरेश चंद शर्मा ने सभी रचनाकारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शब्द ही ब्रह्म हैं और आज की गोष्ठी ने यह सिद्ध किया है कि मोदीनगर की साहित्यिक उर्वरा भूमि आज भी अत्यंत समृद्ध है। संस्था के संरक्षक डॉ. श्रद्धानंद ने सभी आगंतुक कवियों और प्रबुद्ध श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी नवोदित व वरिष्ठ रचनाकारों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपना स्नेहिल आशीर्वाद प्रदान किया। इस सफल और भावपूर्ण गोष्ठी की स्मृतियाँ देर तक सुधी श्रोताओं के मनों में जीवंत रहेंगी।

भोजपुर में ग्राम जन चौपाल का आयोजन, डीएम ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर ब्लॉक क्षेत्र में मंगलवार को देर शाम ग्राम जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। चौपाल में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग, तहसील प्रशासन, बिजली विभाग और भोजपुर ब्लॉक प्रशासन की टीमों ने ग्रामीणों को आय, जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, राशन कार्ड, गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। चौपाल में किसानों से जुड़ी योजनाओं और फसलों से संबंधित सरकारी सुविधाओं के बारे में भी अधिकारियों ने ग्रामीणों को अवगत कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से गांव के विकास के लिए सुझाव भी मांगे। मौके पर ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह,स्वास्थ्य विभाग की टीम, बिजली विभाग, तहसील प्रशासन, भोजपुर ब्लॉक प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एहसास समिति का नौवें वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एहसास महिला समिति मोदीनगर का वार्षिक उत्सव निष्काम भवन में अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एहसास समिति के 9 वर्ष सम्पूर्ण होनें पर केक काटकर वार्षिकोत्सव की खुशियाँ मनायी गयी। इस अवसर पर समिति द्वारा अपनें पांचवे समर कैंप का भी शुभारंभ किया गया। समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर के अनुसार पन्द्रह दिवस तक चलनें वाले इस समर कैंप के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु योग, आर्ट एंड क्राफ्ट, ताइक्वांडो, पंजाबी एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। समिति की मोदीनगर ईकाई की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता नें कहा कि कार्यक्रम के दौरान समिति की ओर से समाज सेवा एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प भी लिया गया। उपस्थित अतिथियों ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम को सफल बनानें में समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर, अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता, सचिव तारिका माटा, विनीता खन्ना, रूचि विज, पूजा शर्मा, अर्चना इत्यादि का विशेष योगदान रहा।

'गिन्नी देवी मेमोरियल एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी 2025-26' का भव्य आयोजन आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में 'गिन्नी देवी मेमोरियल एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी 2025-26' का अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी एवं गरिमामयी आयोजन किया गया। यह समारोह केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करने का अवसर नहीं , बल्कि स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी जी (माँ जी) के आदर्शों, मूल्यों एवं प्रेरणादायी विरासत को स्मरण करने का भावपूर्ण मंच भी बना। समारोह का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में हुआ, जहाँ शिक्षा, संस्कार एवं उत्कृष्टता के मूल्यों को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा एवं कक्ष के शैक्षणिक टॉपर्स (95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा 100 अंक) दर्ज करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने विद्यालय परिसर को गौरव एवं उत्साह से भर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मिस पूजा शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन मूल्यों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी जी की सादगी, विनम्रता, करुणा एवं मानवीय संवेदनाओं से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट नागरिक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय उनकी प्रेरणादायी विरासत का अनुसरण करते हुए बच्चों को excellence, discipline तथा value-based education की ओर अग्रसर कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी जी (माँ जी) के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने बताया कि वे केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि प्रेम, अपनत्व, गरिमा एवं संवेदनशीलता की ऐसी मिसाल थीं, जिनकी प्रेरणा आज भी हर पीढ़ी को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य रूप से प्रो. डॉ. डी. के. मोदी, प्रेसिडेंट एंड चेयरमैन डॉक्टर के एन मोदी फाऊंडेशन एवं चांसलर डॉ के एन मोदी यूनिवर्सिटी डॉ. दीपांकर शर्मा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ रीता बख्शी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अतिथियों ने विद्यार्थियों की सफलता की सराहना करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर उत्कृष्टता प्राप्त करने, अनुशासन बनाए रखने एवं समाज व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह में उपस्थित अभिभावकों ने भी विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, प्रेरणा एवं गौरव का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। यह समारोह सभी के लिए प्रेरणा, सम्मान एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक यादगार उत्सव बन गया।

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 62 वी पुण्यतिथि पर किये श्रद्धा सुमन अर्पित आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय प्रभारी सचिव जहूर खान के आवास विजयनगर में कांग्रेसी कार्यकताओं ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए यह प्रतिज्ञा ली कि सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता पंडित जवाहरलाल नेहरू के दिखाएं मार्ग पर चलकर भारत में यह लोकतांत्रिक भाजपा सरकार का मुकाबला गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए करते रहेंगे।

शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सैन, पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी ने कहा कि पंडित पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू अद्भुत वक्ता थे। उनकी भाषण शैली इतनी प्रभावशाली थी कि लाखों लोग उन्हें सुनने के लिए खिंचे चले आते थे। उनका व्यक्तित्व आकर्षक, सुसंस्कृत और विनम्र था। नेहरू भारत को आधुनिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक राष्ट्र बनाने के प्रबल समर्थक थे। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन, कार्यालय प्रभारी सचिव जहूर खान, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर फरमान अली, फुरकान, खुर्शीद, अब्दुल रहमान, एजाज अहमद, कामेश शर्मा, रियासत सैफी, संजय शर्मा, पवन कोरी, विशाल कौशिक, भिखारी लाल कश्यप, समसा, अली हसन, जमीला, रजनी शर्मा और इसलामन चौधरी आदि के साथ अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बढ़ते टीबी मरीजों पर भारतीय मजदूर संघ की चिंता, नए क्षय रोग चिकित्सालय की उठी मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में लगातार बढ़ रहे क्षय रोग के मरीजों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। भारतीय मजदूर संघ गाजियाबाद के जिला मंत्री नितिन रोहतगी ने उत्तर प्रदेश सरकार से जनपद में आधुनिक जिला क्षय रोग चिकित्सालय और नए टीबी वार्ड के निर्माण की मांग उठाई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री तथा प्रभारी मंत्री असीम अरुण को पत्र भेजकर जल्द आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। भारतीय मजदूर संघ द्वारा प्रेषित पत्र में कहा गया है कि गाजियाबाद जैसे घनी आबादी और औद्योगिक गतिविधियों वाले जिले में क्षय रोग के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल के दिनों में चलाए गए विशेष अभियानों के दौरान हजारों मरीजों की पहचान होने की खबरें सामने आई हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिले में टीबी की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। इसके बावजूद जिले में संचालित वर्तमान क्षय रोग चिकित्सालय और टीबी वार्ड की स्थिति मानकों के अनुरूप पर्याप्त नहीं है। जिला मंत्री नितिन रोहतगी ने अपने बयान में कहा कि पुराने टीबी अस्पताल और वार्ड भवनों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा असुरक्षित घोषित कर खाली कराया गया और बाद में उन्हें तोड़ दिया गया। इसके बाद से मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में उपलब्ध सुविधाएं मरीजों की संख्या के मुकाबले बेहद कम हैं, जिससे उपचार व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में मरीजों के लिए पर्याप्त बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जांच और भर्ती की व्यवस्था भी सीमित है, जिसके कारण मरीजों को समय पर समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा। इसके साथ ही संक्रमण फैलने का खतरा भी लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि क्षय रोग जैसी संक्रामक बीमारी के इलाज के लिए बेहतर अधोसंरचना और सुरक्षित वातावरण बेहद आवश्यक है, लेकिन वर्तमान हालात चिंता बढ़ाने वाले हैं।

मोदीनगर में सड़क किनारे मिले मांस के टुकड़ों से मचा हड़कंप, जांच की मांग आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। सिकरी रोड विश्वकर्मा बस्ती गली नंबर-3 के आस-पास सड़क किनारे मांस के टुकड़े मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस प्रशासन व नगर पालिका को सूचना दी। इस संबंध में विधान सभा अध्यक्ष एवं हिंदू रक्षा दल मोदीनगर की पदाधिकारी सपना अग्रवाल ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर बताया कि सिकरी रोड पर सड़क किनारे बड़ी मात्रा में मांस के टुकड़े पड़े मिले। आरोप है कि यह मांस किसी वाहन से फेंका गया है,जिससे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त हो गया। शिकायत में कहा गया है कि समय रहते हिंदू रक्षा दल के कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर पुलिस प्रशासन और नगर पालिका को अवगत कराया।इसके बाद संबंधित विभागों द्वारा सफाई कराई गई। सपना अग्रवाल ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत पत्र में उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र का माहौल खराब कर सकती हैं,इसलिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित राजहंस सोसाइटी बुधवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आई, जब यहां श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे वातावरण में धार्मिक उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह सात बजे राजहंस मंदिर परिसर से हुआ, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। शहनाई की मधुर स्वर लहरियों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की श्रद्धा और उत्साह ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा राजहंस सोसाइटी के विभिन्न मार्गों से होकर निकाली गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाते हुए भक्ति में लीन दिखाई दिए। पूरे परिसर में धार्मिक गीतों और भजनों की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया, जिससे माहौल और अधिक आध्यात्मिक हो गया। इस धार्मिक आयोजन में व्यासपीठ पर विद्वान कथावाचक पंडित संतरेश्वर झा विराजमान होंगे। कथा के माध्यम से वे श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के प्रसंगों का रसपान कराएंगे। आयोजन समिति के अनुसार कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्ति, धर्म और मानव जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। कार्यक्रम में राजहंस मंदिर समिति के पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही। मंदिर के चेयरमैन शरत कुमार झा, अध्यक्ष अभिनव खेमका, उपाध्यक्ष विनीत माहेश्वरी एवं राहुल समनोल, महासचिव विपुल कुमार, कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, सह-कोषाध्यक्ष संजय कुमार और सागर सुबुद्धी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयोजन में शामिल हुए। इसके अलावा अवनीश शर्मा, रमन शर्मा, मनीष गुप्ता, गिरधारी लाल बघेल, राजेंद्र गांधी, रूबी शर्मा, प्रिया गुप्ता, मृदुला उनियाल, रेणु निगम, मेघना शर्मा, हिमानी, हिमा एवं अन्य भक्तजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और कथा शुभारंभ में अपनी सहभागिता निभाई।

रंग, संगीत, खेल और प्रतिभा का संगम बना यूफोरिया-2026, आईटीएस डेंटल कॉलेज में दो दिन तक छाया उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में विद्यार्थियों के मनोरंजन, प्रतिभा विकास और रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक एवं खेल महोत्सव 'यूफोरिया-2026' का भव्य आयोजन किया गया। 20 और 21 मई को आयोजित इस कार्यक्रम में कॉलेज परिसर उत्साह, उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में बीडीएस और एमडीएस के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी सहित विभिन्न विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष और शिक्षकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम के पहले दिन सांस्कृतिक गतिविधियों की धूम रही। मंचीय प्रतियोगिताओं में एकल गायन, एकल नृत्य, युगल गायन, समूह नृत्य और मैड-एड प्रस्तुतियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। विद्यार्थियों ने अपनी कला और आत्मविश्वास से सभी को प्रभावित किया। वहीं मंच से हटकर आयोजित प्रतियोगिताओं में रंगोली, प्रश्नोत्तरी, साबुन नक्काशी और फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। पहले दिन का सबसे बड़ा आकर्षण 'मास्टर शेफ प्रतियोगिता' रही, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वाद और प्रस्तुति का अनोखा संगम दिखाया। प्रतिभागियों ने विभिन्न व्यंजन बनाकर अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों और निर्णायकों ने खूब सराहा। दूसरे दिन भी कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ जारी रहा। मंचीय प्रस्तुतियों में युगल नृत्य, समूह गायन, नाटक, वाद्य यंत्र प्रस्तुति, कवि सम्मेलन और वैरायटी कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश भी देखने को मिले। ऑफ-स्टेज गतिविधियों में फेस पेंटिंग, ई-गेमिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम के दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण फैशन शो रहा, जिसमें बीडीएस के विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास और आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के समापन पर सायंकाल डीजे नाइट और भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां विद्यार्थियों ने संगीत की धुनों पर जमकर आनंद उठाया।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा पर डीएम मेधा रूपम की पैनी नजर, मासिक निरीक्षण में व्यवस्थाओं को परखा

नोएडा(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का जिलाधिकारी मेधा रूपम ने मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने वेयरहाउस में सुरक्षा मानकों, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के समय अधिकारियों ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली का परीक्षण किया तथा संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस से जुड़े सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाएं पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनी रहें। प्रशासन की ओर से निगरानी व्यवस्था को लगातार सुदृढ़ करने पर भी बल दिया गया।

नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जीडीए, यूपीसीडा और आवास विकास मिलकर चलाएंगे महा अभियान

डीएम रविंद्र कुमार माँदड़ ने सभी विभागों को दिए संयुक्त निरीक्षण और रोड सुधार के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वायु प्रदूषण और सड़कों पर बढ़ती धूल की समस्या से निपटने के लिए अब गाजियाबाद में बड़े स्तर पर संयुक्त महा अभियान चलाया जाएगा। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, यूपीसीडा और आवास विकास परिषद मिलकर शहर की सड़कों को धूल मुक्त और गड्ढा मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाएंगे। प्रमुख सचिव नगर विकास अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में इस अभियान की रूपरेखा तय की गई। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि केवल एक विभाग के प्रयासों से शहर को प्रदूषण मुक्त नहीं बनाया जा सकता, बल्कि सभी विभागों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद की प्रमुख एंट्री पॉइंट्स और मुख्य सड़कें तेजी से विकसित हो रही हैं, ऐसे में जिन मार्गों का रखरखाव नगर निगम के अलावा आवास विकास परिषद, लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों के पास है, वहां भी समान स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर उन स्थानों की पहचान की जाए जहां धूल अधिक उड़ती है या सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों को पूरी तरह धूल मुक्त करने और वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए शासन द्वारा निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सभी विभागों को एंड-टू-एंड रोड पेविंग, हरित क्षेत्र विकसित करने, पानी के छिड़काव और रोड सफाई से संबंधित आंकड़े भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम पहले से ही धूल नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चला रहा है। नगर निगम द्वारा अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से प्रतिदिन रोड स्वीपिंग कराई जा रही है। एमआरएस मशीन और रोड स्वीपिंग मशीनों से प्रमुख सड़कों की सफाई कर धूल हटाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा वॉटर स्प्रिंकलर के जरिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है ताकि उड़ने वाली धूल को नियंत्रित किया जा सके।

नगर आयुक्त ने दावा किया कि नगर निगम क्षेत्र की सभी सड़कें वर्तमान में गड्ढा मुक्त हैं और निगम समय-समय पर प्रमुख मार्गों पर विशेष महा अभियान भी चलाता है। उन्होंने अन्य विभागों से भी अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इसी प्रकार विशेष अभियान चलाकर धूल नियंत्रण और सड़क सुधार का कार्य तेजी से करें। नगर निगम की ओर से हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग देने का भरोसा भी अधिकारियों को दिया गया। बैठक में वार्षिक एक्शन प्लान तैयार करने को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए संयुक्त रूप से अभियान चलाने पर सहमति जताई। शहर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए अब सड़क सफाई, पानी का छिड़काव, ग्रीनरी बढ़ाने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन का मानना है कि यदि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तो आने वाले समय में गाजियाबाद की वायु गुणवत्ता में बड़ा सुधार संभव है। संयुक्त महा अभियान से न केवल सड़कों की स्थिति बेहतर होगी बल्कि शहरवासियों को धूल और प्रदूषण से भी काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

जनता की समस्याओं पर सख्त हुए डीएम, बोले– शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने राजस्व, जीडीए, नगर निगम, बिजली, स्वास्थ्य, सड़क, जल निकासी, पेंशन, भूमि विवाद, सफाई व्यवस्था और अन्य जनहित से जुड़े मामलों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस दौरान डीएम ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी मामलों का निस्तारण प्राथमिकता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने दो टूक कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए और प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाए।

जनता दर्शन के दौरान कई मामलों में डीएम ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल समाधान कराया, जिससे फरियादियों में संतोष दिखाई दिया। वहीं अन्य मामलों को संबंधित विभागों को भेजते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल शिकायत प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को त्वरित न्याय और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनता दर्शन को प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी और परिणाममुखी बनाया जाए। वर्चुअल जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों की जूम प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

डीएम ने विशेष रूप से वृद्धजनों, दिव्यांगों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की शिकायतों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ज्योति मौर्या सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चार्जिंग पर लगी ईवी कार बनी आफत, धुएं से घिरी बिल्डिंग में फंसे 17 लोग सकुशल निकाले गए

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लिंक रोड क्षेत्र के सूर्य नगर इलाके में चार्जिंग के दौरान एक ईवी कार में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही स्टील्ट एरिया में खड़ी कार से उठे धुएं ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इमारत में रहने वाले करीब 15 से 17 लोग अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फायर कर्मियों ने बिल्डिंग में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और आग पर काबू पाया।

बताया गया कि कार स्टील्ट एरिया में खड़ी थी, जिसके कारण धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली सिटी की टीम मौके पर पहुंच गई थी। आग को पूरी तरह बुझा दिया गया है तथा सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शुरूआती तौर पर आग चार्जिंग में लगी ईवी कार से शुरू होना बताया जा रहा है।

साइबर ठगों पर ट्रोनिका सिटी पुलिस का शिकंजा, पीड़ित को लौटाए एक लाख रूपये

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए ट्रोनिका सिटी थाना साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के शिकार व्यक्ति को बड़ी राहत दिलाई है। साइबर सेल की तत्परता से पीड़ित की 1,05,865 रुपये की ठगी गई धनराशि वापस कराई गई। पुलिस के अनुसार, निशांत कॉलोनी पुस्ता निवासी शेषमणि गौड़ के साथ ऑनलाइन साइबर फ्रॉड हुआ था। पीड़ित द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बाद थाना ट्रोनिका सिटी में मामला पंजीकृत किया गया। शिकायत मिलते ही साइबर सेल टीम सक्रिय हुई और ठगी गई रकम को तत्काल होल्ड कराया गया। जांच और बैंक से लगातार पत्राचार के बाद साइबर सेल टीम ने बुधवार को पीड़ित की पूरी 1,05,865 की राशि वापस कराने में सफलता हासिल की। राशि वापस मिलने पर पीड़ित ने थाना पहुंचकर पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन में सतर्क रहने और साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की अपील की है। साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई में ट्रोनिका सिटी पुलिस की यह सफलता पीड़ितों के लिए उम्मीद की मिसाल बनकर सामने आई है।

अवैध कॉलोनियों पर जीडीए का बुलडोजर: डासना और शौर्यपुरम में ध्वस्तीकरण, विरोध के बीच कार्रवाई पूरी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने प्रवर्तन जोन-05 क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों और अनाधिकृत निमार्णों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए डासना और शौर्यपुरम क्षेत्र में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर की गई।

ग्राम डासना स्थित उस्मानगढ़ी क्षेत्र में गंदे नाले के पास लगभग 3000 वर्गमीटर भूमि पर कच्ची सड़क बनाकर अवैध प्लाटिंग और कॉलोनी विकसित की जा रही थी। वहीं शौर्यपुरम जयपुरिया क्षेत्र में लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि, जो स्वीकृत डीपीआर में स्कूल और कॉलेज के लिए चिन्हित है, उस पर अवैध रूप से प्लॉट काटे जा रहे थे।

इसके अलावा शौर्यपुरम शाहपुर बम्हैटा में लगभग 1000 वर्गमीटर भूमि, जो स्वीकृत डीपीआर में सड़क के रूप में दर्ज है, वहां आरसीसी कॉलम खड़े कर निर्माण कार्य किया जा रहा था। जांच के दौरान निर्माणकताओं द्वारा कोई स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया।

जीडीए टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कॉलोनियों में बनाई गई सड़कें, बाउंड्री वॉल, साइट ऑफिस और अन्य निमार्णों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर और निर्माणकताओं की ओर से विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते की मौजूदगी में अभियान जारी रखा गया।

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-05 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा।

खोड़ा पुलिस की बड़ी सफलता: अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 4 बदमाश गिरफ्तार, 9 चोरी के वाहन बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना खोड़ा पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही से चोरी की 8 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा वारदात में इस्तेमाल की गई एक वैगनआर कार बरामद की है। बरामद वाहनों में गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और दिल्ली क्षेत्रों से चोरी किए गए वाहन शामिल हैं।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 27 मई 2026 की रात थाना खोड़ा पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नहर पटरी स्थित लौधी चौक के पास चार संदिग्ध युवकों को रोककर पूछताछ की गई। जांच के दौरान उनके कब्जे से एक चोरी की यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद हुई। वाहन संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के सिवान निवासी कुनाल, बदायूं निवासी रमन, बुलंदशहर निवासी टीटू तथा ललित चौहान के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन चोरी की कई घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने इंदिरापुरम अंडरपास के पास खाली मैदान में छिपाकर रखी गई सात अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की जा रही वैगनआर कार भी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद वाहनों में तीन वाहन थाना खोड़ा क्षेत्र से चोरी किए गए थे, जबकि तीन वाहन गौतमबुद्धनगर क्षेत्र और एक वाहन दिल्ली के महरौली इलाके से चोरी किया गया था। अन्य वाहनों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है और उनके स्वामियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरोह अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय था और अलग-अलग क्षेत्रों से वाहन चोरी कर उन्हें छिपाकर रखने तथा आगे बेचने की योजना बनाता था। गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में खोड़ा पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

बकरीद पर्व को लेकर वेवसिटी में पुलिस का फ्लैग मार्च, एसीपी प्रियाश्री पाल ने 5 किमी क्षेत्र में संभाली कमान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी बकरीद पर्व के मद्देनजर शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल द्वारा थाना डासना क्षेत्र अंतर्गत वेवसिटी इलाके में पुलिस बल के साथ लगभग 05 किलोमीटर क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस टीम ने संवेदनशील स्थानों, मुख्य मार्गों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें पर्व को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, अराजकता या शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आमजन से अनुरोध किया गया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे।